मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, शुक्रवार, 12 जून 2026
संवत 2083, अधिक ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा 12 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 268 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ अग्नि सुरक्षा के बिना शहरी विकास की कहानी अधूरी
22 साल बाद बड़े पर्दे पर फिर लौटेगा 90 के दशक का रोमांस, अक्षय- रवीना की जोड़ी मचाएगी धमाल ◂◂ 6

विनय महतो हत्याकांड

सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट के खिलाफ दायर प्रोटेस्ट पर हुई सुनवाई

सुनवाई के दौरान सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट पर उठे सवाल

मेट्रो रेज

रांची : राजधानी रांची के चर्चित सफायर इंटरनेशनल स्कूल के छात्र विनय महतो हत्याकांड में एक बार फिर कानूनी हलचल तेज हो गई है। मामले की जांच कर रही सीबीआई ने कोर्ट में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दिया है, लेकिन मृतक छात्र के पिता मनबहाल महतो इस रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट के खिलाफ प्रोटेस्ट पिटीशन दाखिल किया है। इसी पिटीशन पर शुक्रवार को रांची सिविल कोर्ट स्थित सीबीआई की विशेष अदालत में सुनवाई हुई।

सुनवाई के दौरान सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट पर उठाए सवालः शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान मामले में आंशिक बहस हुई। मृतक विनय महतो के पिता की ओर से अधिवक्ता खुशबू कटारुका ने कोर्ट में पक्ष रखा। उन्होंने सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट पर कई सवाल उठाते हुए कहा कि जांच में कई ऐसे पहलू हैं, जिन पर गंभीरता से विचार किए जाने की जरूरत है। उनका कहना था कि मामले की जांच अभी पूरी तरह संतोषजनक नहीं कही जा सकती। हालांकि, समयाभाव के कारण बहस पूरी नहीं हो सकी और कोर्ट ने सुनवाई को आगे बढ़ा दिया। आंशिक सुनवाई के बाद सीबीआई की विशेष अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए अगले सप्ताह की तारीख तय की है। अब अगली सुनवाई में दोनों पक्ष अपनी-अपनी दलीलें विस्तार से रखेंगे। इसके बाद ही अदालत यह तय करेगी कि सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार की जाए या फिर मामले में आगे कोई और कानूनी कार्रवाई की जरूरत है।

क्या है पूरा मामला : यह मामला चार फरवरी 2016 की रात का है। रांची के सफायर इंटरनेशनल स्कूल परिसर में बने शिक्षक-शिक्षिकाओं के हॉस्टल में आठवीं कक्षा के छात्र विनय महतो की निर्मम हत्या कर दी गई थी। अगले दिन यानी पांच फरवरी को उसका शव बरामद हुआ था। इस घटना ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया था और स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी कई सवाल खड़े हुए थे।

इन लोगों को बनाया गया था आरोपीः मामले की शुरूआती जांच के दौरान पुलिस ने स्कूल की शिक्षिका नाजिया, उनके पति मोहम्मद आरिफ और उनके दोनों बच्चों को आरोपी बनाया था। इसके बाद यह मामला लगातार सुर्खियों में बना रहा। बाद में जांच की जिम्मेदारी सीबीआई को सौंपी गई, जिसने अपनी जांच पूरी करने के बाद कोर्ट में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी। सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट के खिलाफ दाखिल प्रोटेस्ट पिटीशन पर सुनवाई शुरू होने के बाद एक बार फिर यह मामला चर्चा में आ गया है। अब सभी की नजर सीबीआई की विशेष अदालत के अगले फैसले पर है। अदालत अगली सुनवाई में दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह तय करेगी कि क्लोजर रिपोर्ट को मंजूरी दी जाए या मामले में आगे की जांच या अन्य कानूनी कार्रवाई की जरूरत है।

500 रुपया रिश्वत लेने मामले में एसीबी कोर्ट का बड़ा फैसला

20 साल बाद आरोपी को एक वर्ष की सश्रम कारावास

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः भ्रष्टाचार के एक पुराने मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की विशेष अदालत ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए आरोपी सत्यनारायण राम को दोषी करार दिया है। अदालत ने उसे एक वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही उस पर 15,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना राशि जमा नहीं करने की स्थिति में आरोपी को अतिरिक्त छह माह की सजा भुगतनी होगी।

जानकारी के अनुसार, यह मामला वर्ष 2006 का है। उस समय सत्यनारायण राम खूंटी अंचल कार्यालय में कार्यरत था। उस पर आरोप था कि उसने जमीन के म्यूटेशन (दाखिल-खारिज) से संबंधित दस्तावेजों को आगे बढ़ाने और कार्य निष्पादित करने के एवज में मोहम्मद नसीम खान से 500 रुपये रिश्वत की मांग की थी।

शिकायतकर्ता मोहम्मद नसीम खान ने रिश्वत मांगने की शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) से की थी। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी ने कार्रवाई करते हुए जाल बिछाया और आरोपी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने कई दस्तावेजी साक्ष्य और गवाह प्रस्तुत किए। अदालत ने सभी तथ्यों, साक्ष्यों और गवाहों के बयान का अवलोकन करने के बाद सत्यनारायण राम को दोषी पाया। इसके बाद एसीबी कोर्ट ने उसे भ्रष्टाचार के अपराध में एक वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई तथा 15 हजार रुपये का आर्थिक दंड भी लगाया।

अदालत के इस फैसले को भ्रष्टाचार के विरुद्ध एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। न्यायालय ने अपने निर्णय के माध्यम से यह संदेश दिया है कि सरकारी कार्यों के बदले रिश्वत लेने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कानून सख्ती से कार्रवाई करेगा, चाहे मामला कितना भी पुराना क्यों न हो।

बिहार: तेज रफ्तार कार की ट्रक से भीषण टक्कर

तीन थाना प्रभारी समेत चार लोगों की मौत

बेगूसराय : बिहार के बेगूसराय जिले में शुक्रवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में मधेपुरा जिले के तीन थाना प्रभारी भी शामिल थे। फिलहाल, पुलिस ने इस हादसे की जांच शुरू कर दी है। जानकारी सामने आई कि तेज रफ्तार कार ने एक ट्रक में पीछे से जबरदस्त टक्कर मारी। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसका आधा हिस्सा ट्रक के पिछले हिस्से में फंस गया। घटना साहेवपुर कमाल थाना क्षेत्र के बखड्डा स्थित एनएच 31 के पास की है।

बताया जा रहा है कि कार में चार पुलिसकर्मी थे, जिसमें तीन मधेपुरा जिले में तैनात तीन थाना प्रभारी भी थे। वे पटना से एकदिवसीय प्रशिक्षण लेकर एक ही गाड़ी में सवार होकर मधेपुरा जिला लौट रहे थे। तभी तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो गई और ट्रक से पीछे से टकरा गई। इस घटना के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही बेगूसराय एसपी मनीष कुमार और सदर डीएसपी आनंद पांडेय समेत भारी संख्या में पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे। मृतकों की पहचान साजन पासवान रतवारा थाना प्रभारी, नीरज कुमार बेलारी थाना प्रभारी, ज्ञानेंद्र अमरेंद्र आरर थाना प्रभारी और निजी कार चालक ज्योतिष कुमार के रूप में की गई है। दो थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र व नीरज कुमार और ड्राइवर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि एक थाना प्रभारी साजन पासवान को स्थानीय लोगों ने घायल अवस्था में सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान कुछ ही देर के बाद मौत हो गई। इस तीन पुलिस अधिकारी समेत चार की मौत की खबर लगते ही पुलिस महकमे में खलबली मच गई। इस घटना के संबंध में बेगूसराय पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि देर रात ये हादसा हुआ है। इसमें चार लोगों की मौके पर मौत हो गई है, जिसमें तीन पुलिस अधिकारी और एक ड्राइवर शामिल थे। उन्होंने बताया कि घटना रात करीब 12.30 बजे हुई। उन्होंने कहा कि घटना की जांच चल रही है। पोस्टमार्टम किया जा रहा है और सभी कानूनी प्रक्रियाओं और नियमों का पालन किया जा रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

निषिद्ध मादक पदार्थों की रोकथाम एवं जनजागरूकता को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण

चतराः जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) सह प्रशिक्षण भवन चतरा में निषिद्ध मादक पदार्थों की रोकथाम, नियंत्रण एवं जनजागरूकता को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

अपने संबोधन में उप विकास आयुक्त ने कहा कि नशा सामाजिक, आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी अनेक समस्याओं का प्रमुख कारण है। युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने तथा समाज में जागरूकता फैलाने के लिए शिक्षकों, अभिभावकों एवं प्रशासन को समन्वित प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय स्तर पर जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों से अवगत कराया जाए, ताकि वे स्वयं भी इससे दूर रहें तथा अपने परिवार एवं समाज को भी जागरूक कर सकें।कार्यक्रम में चतरा के अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम ने सभी प्रतिभागियों से नशा मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। वहीं सिमरिया के अनुमंडल पदाधिकारी प्रदीप कुमार महतो ने कहा कि शिक्षक समाज के मार्गदर्शक होते हैं तथा बच्चों एवं उनके अभिभावकों तक जागरूकता संदेश पहुंचाने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यालयों में नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम संचालित करने पर बल दिया।

कार्यशाला के दौरान मास्टर ट्रेनर अजीत कुमार मिश्रा एवं डॉ. मंटू प्रजापति ने निषिद्ध मादक पदार्थों के विभिन्न प्रकार, उनके सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों, पहचान के संकेतों, बचाव के उपायों तथा नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्रशिक्षण में बताया गया कि नशीले पदार्थों का सेवन न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार, समाज एवं राष्ट्र की प्रगति पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा, जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार, एडीपीओ राकेश पाण्डेय, एपीओ विनय जायसवाल, जिले के सभी उच्च विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, वरीय शिक्षक, सभी प्रखंडों के प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी (बीईईओ) एवं प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी (बीपीओ) सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनीष कुमार द्वारा किया गया। अंत में जिला शिक्षा पदाधिकारी ने सभी प्रतिभागियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए नशा उन्मूलन अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप देने का आह्वान किया तथा कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी उपस्थित अधिकारियों, शिक्षकों एवं प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

टीडीएस/टीसीएस एवं नवीन आयकर परा जागरूकता सेमिनार आयोजित

चतराः जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट सह प्रशिक्षण भवन सभागार में गुरुवार को आयकर विभाग, टीडीएस वार्ड, बोकारो द्वारा टीडीएस/टीसीएस जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न सरकारी विभागों के आहरण एवं संवितरण पदाधिकारियों तथा संबंधित कर्मियों को टीडीएस/टीसीएस से संबंधित प्रावधानों, नवीन संशोधनों तथा अनुपालन संबंधी दायित्वों के प्रति जागरूक करना था।कार्यक्रम में लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें विभिन्न विभागों के आहरण एवं संवितरण पदाधिकारी, लेखा एवं स्थापना शाखा से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल थे। कार्यक्रम में जिला कोषागार पदाधिकारी मनोज प्रजापति, डीआरडीए निदेशक अलका कुमारी, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया प्रदीप कुमार महतो सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।आयकर अधिकारी, टीडीएस वार्ड, बोकारो दीपक कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि टीडीएस एवं टीसीएस कर प्रशासन की एक महत्वपूर्ण व्यवस्था है, जो कर संग्रहण को सुगम बनाने के साथ-साथ कर अनुपालन को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने सभी डीडीओ एस से निर्धारित दरों पर कर कटौती सुनिश्चित करने, कटौती की गई राशि को समय पर सरकारी खाते में जमा करने तथा त्रैमासिक टीडीएस विवरणी नियत समय के भीतर एवं त्रुटिरहित ढंग से दाखिल करने का आग्रह किया।उन्होंने बताया कि टीडीएस विवरणी में त्रुटि होने अथवा समय पर रिटर्न दाखिल नहीं किए जाने की स्थिति में संबंधित करदाता के फॉर्म 26 ए एस एवं अन्य कर अभिलेखों में सही विवरण प्रदर्शित नहीं हो पाता, जिससे आयकर विवरणी दाखिल करने में कठिनाइयाँ उत्पन्न हो सकती हैं तथा अनावश्यक कर मांग की स्थिति बन सकती है। सेमिनार के दौरान टीडीएस/टीसीएस से संबंधित विभिन्न प्रावधानों, सामान्य त्रुटियों, अनुपालन संबंधी आवश्यकताओं तथा विलंब या चूक की स्थिति में लागू ब्याज, दंडात्मक एवं अभियोजन संबंधी प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही नवीन आयकर अधिनियम, 2025 की पृष्ठभूमि एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि नए अधिनियम का उद्देश्य कर कानून को अधिक सरल, स्पष्ट, सुव्यवस्थित एवं उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाना है। प्रतिभागियों को यह भी अवगत कराया गया कि नए अधिनियम में टीडीएस/टीसीएस से संबंधित प्रावधानों को अधिक व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत किया गया है, जिससे अनुपालन को समझना और लागू करना अधिक सरल होगा। इस अवसर पर टैक्स कल्सलटेंट अविनाश कुमार ने टीडीएस रिटर्न दाखिल करने के दौरान आने वाली व्यावहारिक समस्याओं, सामान्य त्रुटियों एवं उनके समाधान पर विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने प्रतिभागियों को रिटर्न फाइलिंग प्रक्रिया को अधिक सरल, समयबद्ध एवं त्रुटिरहित बनाने के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।कार्यक्रम का संचालन आयकर निरीक्षक विनोद कृष्ण ने किया। उन्होंने तकनीकी सत्र के दौरान टीडीएस/टीसीएस से संबंधित प्रमुख प्रावधानों, नवीन आयकर अधिनियम, 2025 के महत्वपूर्ण पहलुओं तथा अनुपालन संबंधी विषयों पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों एवं शंकाओं का समाधान किया गया। प्रश्नोत्तर सत्र में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा इसे अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।

गड्ढे में डूबने से दो बहनों की मौत

लातेहार : जिला के बरियातू थाना क्षेत्र अंतर्गत बरवाडीह गांव में गुरुवार को एक गड्ढे में भरे पानी में डूबने से दो मासूम बच्चियों की मौत हो गई। दोनों बच्चियां आपस में चचेरी बहन थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद थाना प्रभारी रंजन कुमार पासवान दोनों लड़कियों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज दिया है। दरअसल, बरियातू थाना क्षेत्र अंतर्गत बरवाडीह गांव निवासी कामेश्वर गंझु 10 वर्षीय पुत्री प्रियंका कुमारी और मनोज गंझु की 9 वर्षीय पुत्री संजू कुमारी गुरुवार को अपने घर से निकलीं, लेकिन काफी देर तक दोनों बच्चियों वापस घर नहीं लौटी तो परिजन परेशान हुए और उनकी खोजबीन आरंभ हुई।

नीति आयोग की बैठक में हेमंत सोरेन ने रखीं बड़ी मांगें

झारखंड के लिए मांगा हजारों करोड़ का पैकेज

संवाददाता

रांची : नीति आयोग की 11वीं बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के समग्र विकास पर बल दिया। उसकी विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की और केंद्र से सहयोग की अपेक्षा की। समग्र विकास की विचारधारा को रखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की खनिज संपदा तभी सार्थक होगी, जब उसे मानव पूंजी से जोड़ा जाए।

खनिज संपदा से आगे बढ़कर विकास का नया मॉडलः उन्होंने झारखंड को केवल खनिज निकालने वाले राज्य के रूप में देखने की परंपरा से अलग विकास की यात्रा में साझेदार बनाने पर बल दिया। अपनी बातों को विस्तार से रखते हुए कहा कि राज्य के संसाधनों का राज्य में ही वैल्यू एडिशन हो, उससे जुड़ा मैन्युफैक्चरिंग हो और राज्य की मानव पूंजी का उसमें उपयोग हो। उन्होंने केंद्र सरकार से क्रिटिकल मिनरल्स आधारित उद्योग विकसित करने के साथ-साथ नॉलेज, रिसर्च और इनोवेशन के केंद्र विकसित करने में अपेक्षित सहयोग मांगा।

टेक्सटाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और ग्रीन एनर्जी में निवेश की पैरवीः टेक्सटाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रीन एनर्जी, लॉजिस्टिक्स और एग्रो-फूड प्रोसेसिंग के बड़े निवेश को झारखंड में बढ़ावा देने की वकालत की। उन्होंने कहा कि माइनिंग और मिनरल्स क्षेत्र में एआई आधारित मिनरल एक्सप्लोरेशन और सस्टेनेबल माइनिंग प्रैक्टिसेज को बढ़ावा देने तथा झारखंड को उद्योग एवं रोजगार का नया केंद्र बनाने की दिशा में प्रयास जारी हैं। केंद्र सरकार के सहयोग और मार्गदर्शन के हम आकांक्षी हैं। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल को विकास का मूल आधार बताया। 'विकसित भारत @2047' के लक्ष्य के साथ राज्य को नई दिशा देने की बात कही।

आंगनबाड़ी और पोषण अभियान पर विशेष जोरः हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य में 38 हजार आंगनबाड़ी केंद्रों में से 15 हजार के पास भवन नहीं हैं। इसके बावजूद पोषण अभियान और समर के माध्यम से कुपोषण की स्थिति में सुधार हुआ है। बच्चों को प्रतिदिन अंडा उपलब्ध कराया जा रहा है। 5,000 नए आंगनबाड़ी भवन राज्य सरकार अपने संसाधनों से बना रही है।

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट विद्यालयों का विस्तारः हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य में सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस से अब आईआईटी और मेडिकल संस्थानों में बच्चों का चयन होने लगा है। राज्य सरकार 5,000 उत्कृष्ट विद्यालय बनाने के लक्ष्य पर काम कर रही है। उन्होंने पीएम श्री और केंद्रीय विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की मांग रखी। झारखंड में एनसीईआरटी का क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने का आग्रह भी किया गया।

कौशल विकास से रोजगार की नई राहः हेमंत सोरेन ने राज्य की विकास योजनाओं का खाका रखते हुए कहा कि राज्य हर साल 1 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ रहा है। सारथी योजना के तहत 6.76 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है। एआई, ईवी, ड्रोन और सोलर जैसे क्षेत्रों में युवाओं को तैयार किया जा रहा है। 53 हजार महिलाओं को आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया गया है।

पंचायत स्तर तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने की तैयारीः उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को पंचायत स्तर तक पहुंचाने पर जोर दिया। हेमंत सोरेन ने बताया कि राज्य में 1,276 दवा दुकानें ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित हो रही हैं। मेडिकल कॉलेजों में यूजी और पीजी सीट बढ़ाने का प्रस्ताव लंबित है। एआई आधारित डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल बनाने की योजना पर भी काम चल रहा है।

खेलों में झारखंड की बढ़ती पहचानः हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड के खिलाड़ी हॉकी, फुटबॉल और एथलेटिक्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। राज्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने झारखंड में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की मांग की। खेल संघों में सुधार और पारदर्शिता की जरूरत पर भी जोर दिया।

कृषि और पोषण को विकास से जोड़ाः नीति आयोग की शासी परिषद की 11वीं बैठक में हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य में 10 लाख से अधिक पोषण वाटिकाएं विकसित की गई हैं। 1.5 लाख एकड़ में फलदार पौधरोपण किया गया है। झारखंड का आम अब अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच रहा है। उन्होंने कृषि को कुपोषण से लड़ने के प्रभावी साधन के रूप में प्रस्तुत किया।

डिजिटल गवर्नेंस के जरिए पारदर्शिता पर फोकसः राज्य एआई आधारित सीएम डेटा इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म विकसित कर रहा है। इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर पर भी काम जारी है। डेटा शेयरिंग को समयबद्ध बनाने का आग्रह केंद्र से किया गया। डीबीटी में पारदर्शिता और डिजिटल धोखाधड़ी रोकने पर जोर दिया गया।

पुलिस का अवैध अफीम खेती के खिलाफ जन-जागरूकता अभियान

ग्रामीणों से नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग की अपील

संवाददाता

खूंटी : झारखंड सरकार के निर्देश एवं पुलिस अधीक्षक खूंटी के नेतृत्व में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में अवैध अफीम खेती के विरुद्ध व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। नशामुक्त एवं अपराधमुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर अफीम की अवैध खेती की रोकथाम और उन्मूलन को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। अभियान के दौरान थाना प्रभारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों ने विभिन्न गांवों में जनसंपर्क स्थापित कर ग्रामीणों को अफीम की अवैध खेती से होने वाले कानूनी, सामाजिक और आर्थिक दुष्परिणामों की विस्तृत जानकारी दी। लोगों को बताया गया कि अफीम की खेती करना एक गंभीर अपराध है तथा इसमें संलिप्त पाए जाने पर एनडीपीएस अधिनियम के तहत कठोर कानूनी कार्रवाई की जाती है।

विशेष रूप से ऐसे व्यक्तियों को भी इस जागरूकता अभियान में शामिल किया गया, जो पूर्व में एनडीपीएस मामलों में आरोपपत्रित रह चुके हैं और वर्तमान में जमानत पर बाहर हैं। इन लोगों ने ग्रामीणों से अवैध अफीम की खेती नहीं करने तथा कानून का पालन करने की अपील की। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि मादक पदार्थों से जुड़ी गतिविधियां व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए अत्यंत हानिकारक साबित होती हैं। पुलिस टीम ने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने खेतों में किसी भी प्रकार की अवैध अफीम की खेती न करें तथा कहीं भी ऐसी खेती की सूचना मिलने पर तत्काल स्थानीय थाना या पुलिस प्रशासन को अवगत कराएं। साथ ही किसानों को वैकल्पिक एवं लाभकारी फसलों की खेती अपनाने के लिए भी प्रेरित किया गया।

अभियान के दौरान ग्रामीणों ने अवैध अफीम खेती के खिलाफ पुलिस प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने तथा नशामुक्त एवं अपराधमुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। पुलिस प्रशासन ने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता अभियान लगातार चलाए जाएंगे, ताकि जिले को नशे के दुष्प्रभावों से मुक्त रखा जा सके।

प्रेमी ने शादी से किया इनकार प्रेमिका ने लगाई फांसी, मौत

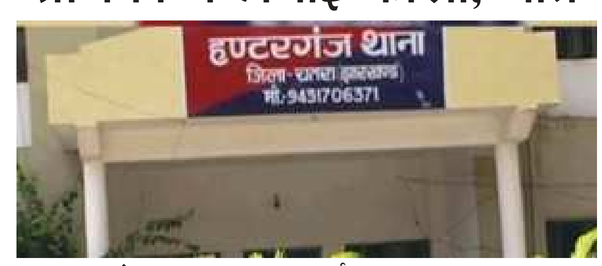

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के जबड़ा पंचायत अंतर्गत गंगटा गांव में गुरुवार सुबह करीब 7:30 बजे एक युवती ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। ग्रामीणों ने घटना की सूचना हंटरगंज थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही एएसआई राजेंद्र नाथ मुंडा दल-बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चतरा सदर अस्पताल भेज दिया। मृतिका की पहचान गंगटा निवासी 20 वर्षीय आसमा खातून के रूप में हुई है। प्रेमी ने शादी से किया इनकार तो युवती ने दे दी जानः पुलिस और परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार युवती ने प्रेम प्रसंग में आत्महत्या की है। जिस लड़के से युवती प्रेम करती थी उसके घर वाले शादी के लिए रजामंद नहीं थे।वहीं मामले में मृतका के पिता ने बताया कि जब मैं और मेरा बेटा घर से रफीगंज जा रहे थे, इसी दौरान शेरघाटी पहुंचते ही कॉल आया कि बेटी ने फांसी लगा ली है। जब हमलोग घर पहुंचे तो देखे की मेरी बेटी मृत अवस्था में चौकी पर पड़ी है। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

शादी का झांसा देकर प्रेमी ने शादी से किया इनकारः मृतका के पिता मोहम्मद खालीक ने बताया कि पिछले 2 वर्षों से बेटी का मोहम्मद आजम नामक युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। प्रेम प्रसंग की बेटी ने बहुत पहले उन्हें जानकारी दी थी। पिता ने बताया कि उस समय बेटी को डांट - फटकार समझा कर उससे मोबाइल भी छीन लिया था। लेकिन आरोपी प्रेमी ने फिर बेटी को मोबाइल खरीदकर दिया। जिससे दोनों में पुनः बातचीत होनी शुरू हो गई। जब बेटी अपने प्रेमी से शादी करने की बात कही तो उसने 5 जून को साफ इनकार कर दिया, जिसके बाद 6 जून को एक पंचायत बैठाया गया। जिसमें भी आरोपी युवक ने शादी करने से साफ इंकार कर दिया। पिता का आरोप है कि उनकी बेटी की समाज में हो रही बदनामी और मानसिक तनाव (डिप्रेशन) में आकर खौफनाक कदम उठा ली। कहीं न कहीं इस मौत की जिम्मेवार लड़के वाले हैं। मेरी बेटी को प्रेम प्रसंग में फंसाकर उसे आत्महत्या करने को विवश किया है। फिलहाल पुलिस आवेदन के आधार पर मामले की जांच में जुटी है।

वज्रपात से तीन बैलों की मौत

खूंटी : जिले के फूदीं पंचायत अंतर्गत सिल्दा गांव में हुए वज्रपात (आकाशीय बिजली) से एक किसान के तीन बैलों की मौत हो गई। घटना के बाद पीड़ित किसान के परिवार पर आर्थिक संकट गहरा गया है। जानकारी के अनुसार, सिल्दा गांव निवासी लदुरा पाहान के तीन बैल अचानक हुई बारिश और गरज-चमक के दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए। बिजली गिरने से तीनों बैलों की मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि लदुरा पाहान एक गरीब किसान हैं और खेती-बाड़ी के कार्य के लिए पूरी तरह बैलों पर निर्भर थे। ग्रामीणों के मुताबिक, बैल ही किसान की खेती का मुख्य आधार थे। एक साथ तीन बैलों की मौत से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। इससे आगामी खेती कार्य प्रभावित होने की आशंका है और परिवार के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।

कोल वाहन ने बजुर्ग को कुचला, मौत

चतराः टंडवा- सिमरिया मुख्य सड़क का निर्दोष इंसानों के खून से लाल होना नहीं थम रहा है। गुरुवार की देर रात धनगड़ा के 75 वर्षीय माधो साव की कोयला लदे तेज रफ्तार वाहन द्वारा घर के सामने कुचले जाने से उनकी मौत सड़क पर हो गई। वहीं वाहन मौके से फरार हो गया। लोगों का मानना है कि लगातार ऐसे घटनाओं में वृद्धि हुई है जहां अंजाम देने के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो जाते हैं। इस तरह की घटनाओं को दुर्घटना नहीं बल्कि हत्या के आपराधिक कृत्य मानकर संबंधितों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिये। बंद कमरों में सड़क दुर्घटना नियंत्रण के लिये ट्रांसपोर्टरों और कुछ कथित छुटभैये नेताओं के साथ प्रशासनिक अधिकारियों की भी बैठकें होने की लगातार चर्चा और गहरा संदेह जाहिर होता रहा है। ऐसे में,अगर प्रशासनिक स्तर से तमाम प्रयासों के बाद भी गति नियंत्रण एवं अनियंत्रित परिचालन से कोल वाहनों द्वारा सड़क दुर्घटनायें रुकने के बजाय अप्रत्याशित बढ़ोतरी हुई है।

उपायुक्त रवि आनंद के निर्देश के बाद भी जांच लंबित

न्याय की आस में महीनों से भटक रही इटखोरी सहायिका लीला सिन्हा

संवाददाता

चतरा : जिले के इटखोरी प्रखंड के आंगनबाड़ी केंद्र रजवार की सहायिका लीला सिन्हा का मामला लगातार चर्चा में बना हुआ है। महीनों से अपनी ड्यूटी बहाली और न्याय की मांग को लेकर संघर्ष कर रहीं लीला सिन्हा आज भी प्रशासनिक कार्रवाई की प्रतीक्षा कर रही हैं। विभिन्न प्रमुख समाचार पत्रों में लगातार खबरें प्रकाशित होने और जिला प्रशासन द्वारा संज्ञान लिए जाने के बावजूद मामले का अंतिम निष्कर्ष अब तक सामने नहीं आ सका है।

गौरतलब है कि बीते दिनों जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त रवि आनंद ने पत्रकारों से बातचीत में कहा था कि मामला उनके संज्ञान में है तथा जांच के निर्देश दिए जा चुके हैं। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया था कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।हालांकि एक सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी जांच रिपोर्ट सामने नहीं आई है। गुरुवार की शाम इटखोरी प्रखंड विकास पदाधिकारी से संपर्क किए जाने पर उन्होंने बताया कि उन्हें इस मामले से संबंधित कोई जांच प्रतिवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की वर्तमान स्थिति की जानकारी सीडीपीओ कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।बीडीओ के इस बयान के बाद क्षेत्र में जांच प्रक्रिया को लेकर चर्चा तेज हो गई है। मामले का सबसे चर्चित पहलू यह बनता जा रहा है कि जिन परिस्थितियों और कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाए गए हैं, जांच की जानकारी के लिए भी उसी कार्यालय स्तर से संपर्क करने की बात कही जा रही है। इससे स्थानीय स्तर पर यह चर्चा शुरू हो गई है कि आखिर जांच प्रक्रिया किस स्तर पर संचालित हो रही है और इसकी निगरानी कौन कर रहा है।उल्लेखनीय है कि पूर्व में कुछ आंगनबाड़ी कर्मियों ने नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर सीडीपीओ कार्यालय की कार्यप्रणाली, विकास मद, सामग्री खरीद तथा अन्य वित्तीय प्रक्रियाओं को लेकर सवाल उठाए थे। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है और न ही किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा इन पर कोई अंतिम निष्कर्ष जारी किया गया है।इसी कारण अब क्षेत्र के लोगों के बीच यह मांग उठने लगी है कि मामले की जांच पूरी तरह पारदर्शी एवं निष्पक्ष ढंग से होनी चाहिए। लोगों का कहना है कि यदि किसी पक्ष की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठे हैं तो जांच की स्थिति और प्रक्रिया को लेकर भी स्पष्टता होनी चाहिए। स्थानीय लोगों का मानना है कि जांच केवल निष्पक्ष होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसका निष्पक्ष दिखाई देना भी उतना ही आवश्यक है। उनका कहना है कि यदि जिला स्तर पर किसी स्वतंत्र समिति अथवा उच्चाधिकारी की निगरानी में जांच होती है तो इससे सभी प्रकार की शंकाओं और चचाओं पर विराम लग सकता है।दूसरी ओर पीड़िता लीला सिन्हा लगातार न्याय की गुहार लगा रही हैं। भावुक होते हुए उन्होंने कहा कि वह कई महीनों से अधिकारियों के कार्यालयों का चक्कर लगा रही हैं, लेकिन अब तक उन्हें न तो ड्यूटी बहाली के संबंध में कोई स्पष्ट आदेश मिला है और न ही जांच की प्रगति से अवगत कराया गया है। उन्होंने कहा कि यदि उनके दस्तावेजों को लेकर किसी प्रकार का विवाद है तो जिला स्तर पर निष्पक्ष समिति गठित कर सभी अभिलेखों की जांच कराई जाए, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके।लीला सिन्हा का कहना है कि लंबे समय से अनिश्चितता की स्थिति में रहने के कारण उन्हें मानसिक, सामाजिक और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भावुक होकर उन्होंने कहा कि कभी वह अधिकारियों के कार्यालयों की ओर उम्मीद भरी नजरों से देखती हैं तो कभी पत्रकारों और परिचितों से अपने मामले की जानकारी लेने का प्रयास करती हैं। इसके बावजूद उन्हें अब भी जिला प्रशासन और उपायुक्त रवि आनंद से न्याय की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर वह पुनः जनता दरबार पहुंचकर अपनी बात रखेंगी।स्थानीय लोगों का भी कहना है कि यदि किसी कर्मचारी की सेवा अवधि समाप्त हो चुकी है तो विभाग को स्पष्ट लिखित आदेश जारी करना चाहिए। वहीं यदि किसी प्रकार का विवाद है तो उसकी स्वतंत्र, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक की जानी चाहिए। लोगों का मानना है कि जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता से न केवल पीड़ित पक्ष को न्याय मिलेगा, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था पर जनता का विश्वास भी मजबूत होगा।फिलहाल पूरे मामले पर जिले की निगाहें टिकी हुई हैं। अब सभी को जांच रिपोर्ट और प्रशासनिक निर्णय का इंतजार है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि महीनों से न्याय की राह देख रही सहायिका लीला सिन्हा को आखिर कब राहत मिलेगी, जांच कब पूरी होगी और उनके मामले में अंतिम निर्णय कब तक सामने आएगा।

29 जून को झारखंड के 1018 चयनित शिक्षकों को नियुक्ति पत्र देगें मुख्यमंत्री

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड में शिक्षक बनने का सपना देख रहे 1018 अभ्यर्थियों का इंतजार अब खत्म होने वाला है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 29 जून को इन सभी चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की ओर से रांची स्थित प्रोजेक्ट भवन सभागार में इसके लिए भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा। सरकार इसे राज्य में रोजगार देने की दिशा में एक और बड़ी पहल मान रही है। नियुक्ति पत्र पाने वाले सभी 1018 अभ्यर्थियों का चयन झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने किया है। इनमें प्राथमिक विद्यालय (कक्षा 1 से 5) और मध्य विद्यालय (कक्षा 6 से 8) के लिए चयनित शिक्षक शामिल हैं। आयोग की अनुशंसा के बाद सभी अभ्यर्थियों की जिला स्तर पर काउंसलिंग की प्रक्रिया

पहले ही पूरी हो चुकी है। अब केवल नियुक्ति पत्र मिलने का इंतजार है।पहले भी बांटे जा चुके हैं नियुक्ति पत्रः यह पहली बार नहीं है जब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शिक्षकों को नियुक्ति पत्र देंगे। इससे पहले पिछले महीने भी उन्होंने 319 सहायक आचार्यों को नियुक्ति पत्र सौंपे थे। इनमें 198 प्राथमिक विद्यालय और 121 मध्य विद्यालय के शिक्षक शामिल थे। सरकार लगातार चरणबद्ध तरीके से शिक्षकों की नियुक्ति कर रही है, ताकि स्कूलों में खाली पड़े पदों को भरा जा सके। राज्य सरकार का लक्ष्य सहायक आचार्य के कुल 26,001 पदों पर नियुक्ति करना है। अब तक करीब 10 हजार अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं। हालांकि कई पद अभी भी खाली हैं। इसकी वजह कुछ जगहों पर योग्य अभ्यर्थियों की कमी और कुछ तकनीकी कारण बताए जा रहे हैं। सरकार का कहना है कि बाकी रिक्त पदों को भी जल्द भरने की प्रक्रिया जारी है।

466 अभ्यर्थियों का सर्टिफिकेट वेरिफिकेशन भी शुरूः इधर, झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने माध्यमिक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के तहत छह विषयों के लिए 466 अभ्यर्थियों को सर्टिफिकेट वेरिफिकेशन के लिए शॉर्टलिस्ट किया है। इनमें माध्यमिक आचार्य और विशेष शिक्षा आचार्य दोनों पदों के अभ्यर्थी शामिल हैं। आयोग ने कहा है कि बाकी विषयों के उम्मीदवारों की जांच भी जल्द शुरू की जाएगी। शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच 18 और 19 जून को रांची के नामकुम स्थित जेएसएससी कार्यालय में होगी। यह प्रक्रिया दो पालियों में पूरी की जाएगी। अभ्यर्थियों को सभी मूल प्रमाणपत्रों के साथ समय पर पहुंचने का निर्देश दिया गया है। अगर कोई अभ्यर्थी किसी जरूरी कारण से इन दोनों दिनों में उपस्थित नहीं हो पाता है तो उसे 24 जून को अंतिम मौका दिया जाएगा। इसके बाद किसी भी तरह की छूट नहीं मिलेगी और अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों का दावा स्वतः समाप्त माना जाएगा।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए बड़ी राहत

मौत पर 4 लाख मुआवजा, सीएम हेमन्त सोरेन का बड़ा फैसला

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित आपदा प्रबंधन विभाग की उच्चस्तरीय बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। अब राज्य में सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर मृतक के परिजनों को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

बैठक में आपदा राहत व्यवस्था को और प्रभावी बनाने, राहत वितरण में तेजी लाने तथा विभिन्न प्राकृतिक एवं मानवीय आपदाओं से प्रभावित लोगों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया।

सरकार का कहना है कि इस फैसले का उद्देश्य दुर्घटना प्रभावित परिवारों को कठिन समय में आर्थिक संबल प्रदान करना और आपदा प्रबंधन प्रणाली को अधिक मजबूत बनाना है।

अधिवक्ता पर हुए फायरिंग मामले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

पुश्तैनी जमीन विवाद में चचेरे भाई ने करवाई थी हत्या

संवाददाता

रांचीः रांची पुलिस ने रातु थाना क्षेत्र में साल 2024 में झारखंड हाईकोर्ट के एक अधिवक्ता पर हुई फायरिंग की सनसनीखेज घटना का सफल उद्भेदन कर दिया है। एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर ग्रामीण एसपी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने इस मामले में शामिल मुख्य शूटर और घटना की साजिश रचने वाले अधिवक्ता के चचेरे भाई समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है । यह पूरी घटना पैतृक जमीन विवाद को लेकर सुपारी देकर अंजाम दिलाई गई थी ।

क्या थी घटनाः एक घटना 1 अक्टूबर 2024 को हुई थी । झारखंड हाई कोर्ट के अधिवक्ता बब्बन प्रसाद ने रातु थाने में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई थी । शिकायत के अनुसार, जब वह मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहे थे, तभी एक अन्य मोटरसाइकिल पर सवार दो अपराधियों ने पीछे से उन पर गोलियां चला दी थीं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे । इस संबंध में रातु थाना में कांड संख्या-326/24 दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू की गई थी ।

जमीनी विवाद में चचेरे भाई ने दी थी सुपारीः एसएसपी राकेश रंजन के द्वारा हाल ही में इस कांड की समीक्षा बैठक की गई, जिसके बाद ग्रामीण एसपी के निर्देशन में डीएसपी (मुख्यालय) द्वितीय अजय आर्यण के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया । तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने घटना के मुख्य शूटर गुलशन कुमार विश्वकर्मा और साजिशकर्ता अनुज कुमार महतो को गिरफ्तार कर लिया । पूछताछ में दोनों ने अपना अपराध स्वीकार किया है । शूटर गुलशन ने खुलासा किया कि अधिवक्ता बब्बन प्रसाद के चचेरे भाई अनुज कुमार महतो ने पलामू जिले के अपने पैतृक गांव में चल रहे पुश्तैनी जमीन विवाद को लेकर वकील की हत्या करने के लिए उसे पैसे दिए थे।

राज्यपाल से मिला त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधि संघ का शिष्टमंडल, सौंपा ज्ञापन

मेट्रो रेज

रांचीः राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से आज त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधि संघ के अध्यक्ष विकास कुमार महतो के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने लोक भवन, राँची में भेंट कर झारखण्ड पंचम राज्य वित्त आयोग की अनुशंसाओं के आलोक में जिला परिषदों, पंचायत समितियों एवं ग्राम पंचायतों को आवंटित अनुदान राशि से योजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित विषय पर ज्ञापन समर्पित किया।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए झारखण्ड पंचम राज्य वित्त आयोग की अनुशंसाओं के आधार पर पंचायती राज विभाग द्वारा जिला परिषदों, पंचायत समितियों एवं ग्राम पंचायतों को निर्धारित अनुपात में राशि आवंटित की गई है। लेकिन योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु आवश्यक विस्तृत मार्गदर्शिका अब तक उपलब्ध नहीं कराई गई है, जिसके कारण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में कठिनाइयाँ उत्पन्न हो रही हैं। राज्यपाल महोदय का इस ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए शिष्टमंडल ने अनुदान मद के अंतर्गत आवंटित राशि से योजनाओं के सुचारु एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक मार्गदर्शिका शीघ्र उपलब्ध कराए जाने की दिशा में आवश्यक पहल करने हेतु अनुरोध किया, ताकि पंचायत स्तर पर विकास कार्यों का समयबद्ध एवं व्यवस्थित संचालन सुनिश्चित हो सके।

नीट-यूजी री-एग्जाम को सुरक्षित और सफल बनाने को लेकर राज्य सरकार अलर्ट

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड में आगामी 21 जून को आयोजित होने वाली नीट-यूजी री-एग्जाम को कदाचारमुक्त, सुरक्षित और सफल बनाने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह मुस्तैद हो गई है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक से मिले निदेर्शों के बाद झारखंड सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव, उमा शंकर सिंह ने राज्य के सभी जिलों (सरायकेला-खरसावां और जामताड़ा को छोड़कर) के डीसी और एसपी को एक महत्वपूर्ण पत्र जारी किया है।

इस परीक्षा की पूर्व तैयारियों की समीक्षा के लिए 12 जून यानि आज शाम चार बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिं के माध्यम से एक उच्च स्तरीय समीक्षात्मक बैठक बुलाई गई है।

10 जून की बैठक में एनटीए महानिदेशक ने दिया था निर्देशः इससे पहले 10 जून को एनटीए के महानिदेशक की अध्यक्षता में स्टेट लेवल कोऑर्डिनेशन की एक बैठक संपन्न हुई थी । इस बैठक में परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर कई कड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिन पर आज की बैठक में समीक्षा की जाएगी।

चूंकि परीक्षा के ही दिन यानी 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भी है, इसलिए विभाग ने विशेष तौर पर निर्देश दिया है कि योग दिवस के कार्यक्रमों या गतिविधियों के कारण परीक्षा केंद्रों के आसपास किसी भी प्रकार का व्यवधान पैदा न हो।

इसके अलावा, परीक्षा से ठीक एक दिन पहले यानी 20 जून को सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा और चेकिंग व्यवस्था को लेकर एक मॉक ड्रिल का आयोजन भी किया जाएगा, ताकि परीक्षा के दिन किसी भी चूक से बचा जा सके।

इन मुख्य बिंदुओं पर होगी समीक्षा

* जिला स्तरीय समन्वय समितियों के माध्यम से सभी परीक्षा केंद्रों पर पुख्ता तैयारियां और बेहतर तालमेल सुनिश्चित करना.
* जिला पुलिस प्रशासन के सहयोग से सभी केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा बल की तैनाती, अभ्यर्थियों की सख्त चेकिंग और कानून-व्यवस्था बनाए रखना।
* परीक्षा केंद्रों के बुनियादी ढांचे, लॉजिस्टिक्स, पहुंच और सुरक्षा का भौतिक निरीक्षण करना।
* सभी केंद्रों पर बिना किसी बाधा के बिजली की आपूर्ति, पीने का पानी, साफ-सफाई और अन्य जरूरी सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना।
* परीक्षा केंद्रों के आसपास ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त रखना और भीड़ को नियंत्रित करना।

विश्व रक्तदाता दिवस पर डाक विभाग के कर्मचारियों ने रक्त की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ली शपथ

मेट्रो रेज

रांची/रामगढ़ः विश्व रक्तदाता दिवस 2026 पर प्रधान डाकघर रामगढ़ कैन्ट परिसर में प्रधान डाकघर रामगढ कैन्ट के पोस्टमास्टर मो०जशीम खान के नेतृत्व में सभी डाक विभाग के कर्मचारियों ने देश में रक्त की आवश्यकता को ध्यान में रखकर आज शपथ लिया।

जिसमें सभी कर्मचारियों ने एक स्वर में कहा कि वे राष्ट्रहित में अपने परिवार, दोस्तों,रिश्तेदार, सहयोगियों और जनता को नियमित ,स्वैच्छिक ,अवैतनिक रक्तदान करुँगा और रक्तदान की आवश्यकता के बारे में जागरूक करने का प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर डाकघर रामगढ कैन्ट सब डिवीजन मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव रविशंकर राय ने कहा कि प्रधान डाकघर रामगढ परिवार के तरफ से दिनांक 14 जून 2026 रविवार के दिन सुबह 9:30 बजे से रक्तदान दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया । जिसमें डाकघर के कर्मचारी रक्तदान करेंगे। मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव रविशंकर राय ने जिले के सभी लोगों से निवेदन किए है कि जो लोग भी अपनी स्वेच्छा से रक्तदान करना चाहते हो वे 14 जून 2026 को प्रधान डाकघर परिसर में सादर आमंत्रित हैं।

रक्तदान शिविर आयोजित करने के लिए डाकघर रामगढ़ की ओर से चिकित्सकों, चिकित्साकर्मियों, आवश्यक उपकरण की आवश्यकता के लिए सदर अस्पताल रामगढ़ को आवेदन दिया गया है।

आज के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य रूप से सहायक डाकपाल रामेश्वर प्रसाद, रामखेलावन चौधरी, नरेंद्र सिंह, शम्भु दत्त सिंह, शुभम सौरभ, सौरभ कुमार, अमन कुमार, रंजन कुमार, चंदन कुमार महतो, विकास राय, पीयूष कुमार, अंकित कुमार, संतोष कुमार, रंजन कुमार,राजकपूर कुमार, रंजीत रजवार, आदर्श अनिकेत, जसमीणा, जीवंत भोक्ता,ब्रह्मदेव महतो, रिमझिम कुमारी, बबीता कुमारी,त्रिदेव ,रवि कुमार, अरजलाल महतो, बीरबल मांझी,समेत अन्य डाक कर्मचारी उपस्थित हुए।

सभी कर्मचारियों ने रक्तदान शिविर में पूर्ण सहयोग करने और सफल आयोजन के लिए मदद करने की बात कही ।

पांच लाभुको दी गयी बकरी

मेट्रो रेज

चान्होः सांसद प्रतिनिधि मो गेयास ने शुक्रवार को बकरी पालन को बढ़ावा देने उदेश्य से सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना के तहत पांच लाभुकों के बीच बकरी का वितरण किया। इस अवसर पर बीडीओ बरुन कुमार, बिधायक प्रतिनिधि हफिजूल अंसारी, जुल्फीकार अली, पशुपालन पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

दुष्कर्म के आरोपियों को नहीं मिली बेल

रांची : दोस्त की बर्थडे पार्टी के बहाने युवती को बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोपी फहाद खान ने रांची सिविल कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल कर अपनी बेल की गुहार लगाई है. उसकी जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने पुलिस को केस डायरी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

बेल देने से कोर्ट ने किया इंकार : रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त अनिल कुमार मिश्रा की कोर्ट में फहाद खान की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। इससे पहले इस केस के अन्य अभियुक्तों शादाब खान और मेडिकल की स्टूडेंट ओली विश्वकर्मा को बेल देने से सिविल कोर्ट इंकार कर चुका है। इस मामले में पीड़िता की शिकायत पर लालपुर थाना में कांड संख्या 66/2026 दर्ज की गई है। कोर्ट अब इस मामले में 15 जून को सुनवाई करेगा

कार्यालय, नगर पंचायत, लातेहार
जिला- लातेहार

कोटेशन आमंत्रण सूचना संख्या – 02/2026–27

अति अल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना

1- Designation of Advertisement Holder:- Executive Officer, Nagar Panchayat Latehar
2. Place of receiving Quotation:- Office of Nagar Panchayat Latehar
3. Date & Time of receiving Quotation:- 27.06.2026 upto 3.00 PM (Last Date)
4. Date & Time of opening Quotation:- 27.06.2026 upto 3.30 PM
5. Place of Opening:- Office of Nagar Panchayat Latehar

SL NO	Particulars	Rs Each
01	Bleaching Powder Per Bag (25 KG Best Quality) including all taxs	
02	Fitkiri Per K.G. including all taxs	
03	Lime stone (Chuna) Per Bag (25 KG Best Quality) including all taxs	

नियम एवं शर्त

1. कोटेशनदाता को अध्यतन आयकर एकनॉलेजमेंट एवं जी०एस०टी० रिटर्न का प्रमाण पत्र तथा पैन सं० एवं जी०एस०टी०सं० की स्व–अभिप्रमाणित छाया प्रति, फर्म के काली सूची में नहीं होने का शपथ पत्र, प्रतिश्ठित प्रतिश्ठान का निबंधन प्रमाण पत्र एवं संबंधित क्षेत्र मे किये जाने वाले आपूर्ति का प्राधिकार (Authorisation) प्रमाण पत्र निश्चित रूप से संलग्न करना होगा। निर्धारित तिथि एवं समय के उपरान्त कोटेशन स्वीकार नही किये जायेगें।
2. कोटेशनदाता को सामानों की आपूति प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान एवं सभी कर सहित दर को स्पष्ट रूप से अंकित कर एवं आपूर्ति किये जाने वाले सामग्रियों की पूर्ण विवरणी सहित कोटेशन देनी होगी एवं सशर्त निविदा मान्य नहीं होगा। आवश्यकतानुसार आपूर्ति किये जाने वाले सामग्रियों का कार्यादेश निर्गत किया जायेगा। सामग्रियों की गुणवता खराब पाये जाने पर विपत्र का भुगतान नही किया जायेगा एवं आपूर्ति की गई सामग्री वापस कर दी जायेगी।
3. विपत्र की राशि से सुरक्षित जमा राशि (Security Money) 5 प्रतिशत की कटौती कर विपत्र का भुगतान की जायेगी। साथ ही सुरक्षीत जमा राशि की वापसी आपूर्ति किये गये सामग्री के एक वर्ष बीत जाने के उपरांत ही कोटेशनदाता को वापस किया जायगा।
4. कोटेशन का निष्पादन नगर पंचायत, लातेहार के निविदा समिति (Procurement Committeee) के समक्ष कोटेशनदाता या उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि की उपस्थिति मैं किया जायेगा।
5. कोटेशनदाता को सामाग्रियों की आपूर्ति कार्यादेश निर्गत की तिथि से 20 दिनों के अन्दर नगर पंचायत, लातेहार के कार्यालय में करना होगा। इसके लिये अलग से कोई राशि का भुगतान नहीं किया जायेगा। स–समय सामाग्रीयों की आपूर्ति नहीं किये जाने पर दूसरे कोटेशनदाता को सामाग्रीयों की आपूर्ति करने का आदेश निर्गत कर दी जायेगी। जिसके लिये बाद में किया गया कोई भी दावा मान्य नहीं होगा।
6. किसी भी कोटेशन को बिना कारण बताये रद्ध/अस्वीकृत करने अथवा एक से अधिक कोटेशनदाताओं के बीच बाटने का पूर्ण अधिकार निविदा समिति को सुरक्षित होगा तथा उन्हे कही चुनौती नहीं दी जा सकेगी। किसी भी तरह के विवाद का निष्पादन लातेहार न्यायालय में ही मान्य होगा तथा विलम्ब से भुगतान के लिये अगल से कोई दावा मान्य नहीं होगा।
7. कोटेशनदाता द्वारा आपूर्ति किये गये सामग्रीयों के गुणवता का प्रमाण पत्र कनीय अभियंता/नगर प्रबंधक, नगर पंचायत, लातेहार से उपलब्ध कराने के उपरान्त ही आपूर्ति किये गये सामग्रीयों की राशि का भुगतान किया जायेगा।
8. कोटेशनदाता द्वारा अंकित किये गये दर दो वर्शों के लिए मान्य होगा। नगर पंचायत लातेहार में आवश्यकतानुसार समय–समय पर आपूर्ति हेतु कार्यादेश निर्गत किया जायेगा। कोटेशन से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु नगर प्रबंधक, नगर पंचायत लातेहार मो0 न0 8210234089 पर संपर्क कर सकते है।

कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर पंचायत, लातेहार

PR 382190 Urban Development (26-27)_D

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, रामगढ़
(नजारत शाखा)
दूरभाष : 06553–261555(O) Email ID: dc-ramgarh@gov.in

-:: अल्पकालीन निविदा ::-

व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ में अवस्थित सभी न्यायालय कक्षों में माइक सहित ऑडियो सिस्टम का जेम के माध्यम से क्रय करने के निमित इच्छुक आपूर्तिकर्त्ता/फर्मों से दिनांक 20.06.2026 को अपराह्न 01:00 बजे तक जेम पोर्टल पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

वैसे निविदादाता जो निविदा शर्त के अनुरूप निविदा भरने को इच्छुक है, दिनांक 20.06.2026 को अपराह्न 01:00 बजे तक ऑनलाईन निविदा जमा कर सकते है। निविदा की विवरणी एवं शर्ते https://ramgarh.nic.in में Notice के अन्दर देखा जा सकता है। ऑनलाईन जमा की गई तकनीकि एवं वित्तीय बीड की Hard Copy दिनांक–20.06.2026 को अपराह्न 01:00 बजे तक अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में जमा कर सकते है। निविदा दिनांक 20.06.2026 को अपराह्न 01:30 बजे एन०आई०सी० VC कक्ष में खोला जायेगा।

ह०/–
नजारत उपसमाहर्त्ता,
रामगढ़

PR 382163 District (26-27)_D

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

यौन हिंसा पीड़िताओं को संरक्षण के अहम निर्देश

यौन हिंसा की पीड़िताओं की निजता, उनके अधिकारों, सुरक्षा व जांच प्रक्रिया से जुड़े मामलों को लेकर देश की शीर्ष अदालत से लेकर राज्यों के उच्च न्यायालयों तक ने सरकारों को दिशा-निर्देश दिए हैं। झारखंड हाईकोर्ट की ओर से एक हालिया फैसले में बलात्कार के मामलों में एफआइआर को अनिवार्य रूप से दर्ज करने, अमानवीय और अपमानजनक टू फिंगर टेस्ट को बंद करने व पीड़िताओं के पुनर्वास व शिक्षा को लेकर दिए गए दिशा-निर्देश बताते हैं कि अभी भी प्रभावी तौर पर निर्देशों की पालना नहीं की जा रही। जबकि न्याय व्यवस्था को अधिक मानवीय बनाने की दिशा में यौन हिंसा पीड़िताओं को पर्याप्त संरक्षण जरूरी है। अदालत की इस टिप्पणी पर भी गौर करना होगा, जिसमें उसने कहा है कि कई मामलों में बलात्कार पीड़िताओं को सामाजिक उपहास और सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ता है। सच भी यही है कि अपराधी कोई और होता है और सवालों की बौछार का सामना पीड़िताओं को करना पड़ता है। जांच प्रक्रिया के दौरान भी कभी पीड़िता के वस्त्रों पर चर्चा होती है तो कभी उसके चरित्र पर सवाल उठाए जाते हैं। इतना ही नहीं, पीड़िता के बाहर निकलने के समय को लेकर भी बहस होती है। हालात ऐसे हो जाते हैं मानो अदालत के कठघरे में पीड़िता ही अपराधी की तरह खड़ी हो। झारखंड हाईकोर्ट ने यौन हिंसा की पीड़िताओं के अधिकारों, सुरक्षा, न्याय और पुनर्वास से जुड़ी जनहित याचिका पर राज्य सरकार, पुलिस विभाग और संबंधित एजेंसियों को साफ कहा है कि किसी भी संज्ञेय अपराध, विशेषकर यौन हिंसा और पॉक्सो के मामलों में, क्षेत्राधिकार का हवाला देकर एफआइआर दर्ज करने से इनकार नहीं किया जा सकता। जीरो एफआइआर दर्ज करना पुलिस की जिम्मेदारी है। एफआइआर दर्ज नहीं करना कानून के उल्लंघन के समान है। बलात्कार पीड़िताओं के सरकारी व निजी अस्पतालों में अपमानजनक टू फिंगर टेस्ट को पूरी तरह से बंद करने के निर्देश देते हुए अदालत ने यह भी कहा है कि इसका उल्लंघन पेशेवर कदाचार माना जाएगा। जाहिर है, जांच के अमानवीय तरीकों का वैज्ञानिक आधार न होने के बावजूद लंबे समय तक जारी रहना तंत्र की संवेदनहीनता का परिचायक है। बलात्कार के कई मामलों में पीड़िताएं पुलिस थानों और मेडिकल जांच के लिए भी अस्पतालों का रुख इसी डर से नहीं कर पातीं कि कहीं पुलिस की जांच प्रक्रिया ही उनके लिए नई यातना का कारण न बन जाए। आवश्यकता केवल कानूनी सख्ती की ही नहीं, समूची मानसिकता में बदलाव की भी है। स्कूलों और कॉलेजों में लैंगिक संवेदनशीलता को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि पीड़िताओं के प्रति सहानुभूति का पक्ष अधिक मजबूत हो सके। बलात्कार पीड़िता की सबसे बड़ी त्रासदी उसके प्रति समाज के सवाल उठाते व्यवहार की है। यौन हिंसा के मामलों में पीड़िताओं को संदेह की नहीं, बल्कि उनके आत्मसम्मान की रक्षा करने वाली दृष्टि से देखना होगा।

पढ़ने की ललक बढ़ाने की छोटे स्तर पर अनूठी पहल

मोबाइल स्क्रीन के बढ़ते दौर में मुद्रित पुस्तकों एवं पत्र-पत्रिकाओं को पढने.की प्रवृत्ति कम होने का गंभीर संकट पैदा हो गया है। मौजूदा पीढ़ी में डिजिटल उपकरणों के प्रति बढ़ती आसक्तिने न केवल एकाग्रता को प्रभावित किया है, बल्कि सोचने और कल्पनाशीलता की मानवीय क्षमता को भी सीमित कर दिया है। यह भी सच है कि सरकारें प्रौद्योगिकी की इस तीव्र रफ्तार को कानूनन रोक नहीं सकतीं इसलिए एक जीवंत और जागरूक नागरिक समाज के निर्माण के लिए अब समाज को ही आगे आना होगा। हर काम केवल सरकारों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। राष्ट्र और समाज का वास्तविक स्वरूप आम नागरिकों के स्तर पर की गई छोटी-छोटी सकारात्मक पहलों से ही तय होता है। हाल ही दक्षिण भारत से सामने आए दो अनुकरणीय उदाहरण इस दिशा में एक नई रोशनी दिखाते हैं। चेन्नई के कोलापाक्कम में एक राशन दुकान के सेल्समैन वेलु चिन्नासामी ने ग्राहकों के इंतजार के समय को ज्ञान में बदलने के लिए तिरुवल्लुवर लाइब्रेरी की शुरूआत की। वहीं, केरल के कासरगोड में केवल आठवीं तक पढ़े सुरेंद्र कोट्टूयान ने अपनी चाय की दुकान को दुर्लभ पुस्तकों के अनूठे संग्रहालय में बदल दिया। इस तरह के छोटे-छोटे नवाचार भले ही व्यक्तिगत स्तर पर मामूली दिखें, लेकिन नागरिक समाज को वैचारिक रूप से समृद्ध बनाने में इनका योगदान अमूल्य है। पठन संस्कृति का विकास मनुष्य की रचनात्मकता और सक्रिय सोच को बढ़ाता है, जो किसी भी सभ्य समाज और युवाओं की सफलता की बुनियादी नींव है। इसलिए लोगों को अपने बच्चों में बचपन से ही मुद्रित किताब पढने.के प्रति दिलचस्पी पैदा करनी होगी। बहरहाल, पठनीयता का यह संकट केवल स्थानीय नहीं, बल्कि वैश्विक है। जिन पश्चिमी देशों ने कभी डिजिटल कक्षाओं में भारी निवेश किया था, वे अब अत्यधिक स्क्रीन समय, सीखने के कमजोर नतीजों और ध्यान भटकने के परिणामों के कारण पारंपरिक तरीकों की ओर लौट रहे हैं। पुस्तकें पहली मित्र बन रही हैं। स्वीडन ने बच्चों में कलम, कागज और मुद्रित पाठ्यपुस्तकों को पुनर्जीवित करने के लिए हाल ही भारी-भरकम निवेश किया है। जबकि, नॉर्वे ने तो प्रारंभिक शिक्षा में टैबलेट का उपयोग सीमित कर दिया है। वैश्विक स्तर पर उभरती यह आम सहमति हमें याद दिलाती है कि तकनीक कभी मानवीय जुड़ाव का विकल्प नहीं हो सकती। बच्चों को स्वाइप करने से पहले कलम पकडना और टाइप करने से पहले चित्र बनाना सीखना होगा। कुल मिला कर घर-परिवार में सभी सदस्यों को खास तौर से बच्चों को छपी हुई किताबें पढने.की आदत विकसित करनी होगी, ताकि तकनीक और मानवीय मूल्यों के बीच रचनात्मक संतुलन स्थापित किया जा सके। डिजिटल भटकाव को रोकने का यही कारगर तरीका है।

अग्नि सुरक्षा के बिना शहरी विकास की कहानी अधूरी

अग्नि सुरक्षा कोई विलासिता नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है। और जब तक यह अधिकार हर आवासीय भवन, हर सोसायटी और हर शहर में सुनिश्चित नहीं होता, तब तक हमारे शहरी विकास की कहानी अधूरी रहेगी।

डॉ. रिपुन्जय सिंह

भारत के शहर विकास, आधुनिकता और आर्थिक प्रगति के प्रतीक माने जाते हैं। ऊंची-ऊंची इमारतें, बहुमंजिला आवासीय परिसर, स्मार्ट सिटी परियोजनाएं और विस्तृत शहरी बुनियादी ढांचा विकास की कहानी कहते हैं। किंतु इन चमकदार उपलब्धियों के पीछे एक ऐसी वास्तविकता भी छिपी है, जो समय-समय पर भयावह अग्निकांडों के रूप में सामने आती है। हाल के वर्षों में देश के विभिन्न शहरों में आवासीय इमारतों में लगी आग ने एक बार फिर शहरी प्रशासन की उस गंभीर कमजोरी को उजागर किया है, जिसे हम बार-बार अनदेखा करते रहे हैं।

हर बड़ी आग के बाद लगभग एक जैसी तस्वीर दिखाई देती है। मासूम लोगों की मौत, परिवारों का उजड़ना, करोड़ों रुपए की संपत्ति का नुकसान, प्रशासनिक संवेदनाएं, जांच समितियों की घोषणा, मुआवजे की घोषणाएं और भविष्य में सख्त कार्रवाई के आश्वासन। लेकिन कुछ दिनों बाद जब मीडिया का ध्यान किसी अन्य मुद्दे की ओर चला जाता है, तब इस त्रासदी के मूल कारण भी चर्चा से बाहर हो जाते हैं। यही कारण है कि ऐसी घटनाएं बार-बार दोहराई जाती हैं।

हाल ही में सामने आए आंकड़े स्थिति की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। जून 2025 में जारी जानकारी के अनुसार, महानगरों और बड़े शहरों की लगभग 90 प्रतिशत कार्यरत सहकारी समूह आवासीय सोसायटियों के पास वैध अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाण-पत्र नहीं है। इसका अर्थ है कि लाखों लोग ऐसी इमारतों में रह रहे हैं जो संभवतः न्यूनतम अग्नि सुरक्षा मानकों को भी पूरा नहीं करतीं। तेजी से ऊर्ध्वाधर विस्तार कर रहे भारतीय शहरों के लिए यह एक अत्यंत चिंताजनक संकेत है। यह समस्या केवल कागजी औपचारिकताओं तक सीमित नहीं है। अग्नि सुरक्षा प्रमाण-पत्र किसी फाइल पर लगी मोहर मात्र नहीं होता। यह इस बात का प्रमाण होता है कि भवन में कार्यशील फायर अलार्म, स्प्रिंकलर सिस्टम, आपातकालीन निकास मार्ग, अग्निरोधक सामग्री, पर्याप्त जल भंडारण और अग्निशमन वाहनों के लिए सुगम पहुंच उपलब्ध है। जब ये व्यवस्थाएं अनुपस्थित हों या उनका रखरखाव न किया जाए, तो किसी भी दुर्घटना का परिणाम विनाशकारी हो सकता है।

कई शहरों की स्थिति वास्तव में देश के अधिकांश शहरों की स्थिति का प्रतिबिंब है। तीव्र शहरीकरण, बढ़ती भूमि कीमतें, आवास की बढ़ती मांग, सीमित शहरी संसाधन और कमजोर प्रवर्तन तंत्र ने मिलकर ऐसा वातावरण बना दिया है जिसमें सुरक्षा मानकों से समझौता सामान्य बात बन गई है। नियम मौजूद हैं, कानून भी हैं, दिशा-निर्देश भी हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन अक्सर दिखाई नहीं देता। यही वह खतरनाक अंतर है जो नीति और व्यवहार के बीच मौजूद है।

सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि आग लगने के जोखिम न तो अज्ञात हैं और न ही अप्रत्याशित। अग्निशमन विभाग, नगर नियोजक, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन और स्थानीय निकाय वर्षों से संभावित खतरों की ओर संकेत करते रहे हैं। बंद या अवरूद्ध सीढ़ियां, आपातकालीन निकास मार्गों पर अतिक्रमण, खराब अग्निशामक यंत्र, अग्निशमन उपकरणों का अपर्याप्त रखरखाव, भवनों में अनधिकृत परिवर्तन, अवैध पार्किंग तथा जर्जर विद्युत व्यवस्था जैसी समस्याएं लगभग हर शहर में देखी जा सकती हैं। कई आवासीय परियोजनाएं निर्माण के समय आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त कर लेती हैं, लेकिन समय के साथ सुरक्षा मानकों का पालन कमजोर पड़ जाता है। उपकरण खराब हो जाते हैं, सुरक्षा ऑडिट केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं और नियमित निरीक्षण अनियमित हो जाते हैं। कई बार स्वयं निवासी भी अनजाने में खतरे को बढ़ा देते हैं। सामान्य क्षेत्रों को भंडारण स्थल में बदल देना, अतिरिक्त निर्माण कर लेना, ज्वलनशील पदार्थों का संग्रहण करना, बिजली की अनधिकृत वायरिंग कराना अथवा सुरक्षा अभ्यासों की उपेक्षा करना आग के जोखिम को कई गुना बढ़ा देता है।

समस्या विशेष रूप से उन पुरानी आवासीय सोसायटियों में अधिक गंभीर है, जिनका निर्माण दशकों पहले हुआ था। उस समय न तो जनसंख्या घनत्व इतना अधिक था और न ही अग्नि सुरक्षा मानक इतने कठोर। आज वही इमारतें कहीं अधिक लोगों, वाहनों, विद्युत उपकरणों और ऊर्जा खपत का बोझ उठा रही हैं। यदि इन भवनों का वैज्ञानिक तरीके से पुनरोद्धार और आधुनिकीकरण नहीं किया गया, तो वे भविष्य में बड़े हादसों का कारण बन सकते हैं। शहरी अग्निकांड सामान्यतः किसी एक कारण से नहीं होते। वे कई स्तरों की विफलताओं का संयुक्त परिणाम होते हैं। विद्युत शॉर्ट सर्किट, ओवरलोड ट्रांसफॉर्मर, खराब वायरिंग, गैस रिसाव, ज्वलनशील निर्माण सामग्री, रखरखाव की कमी और आपातकालीन प्रतिक्रिया में देरी मिलकर एक छोटी सी चिंगारी को बड़े हादसे में बदल देते हैं। सबसे दुखद बात यह है कि इन कारणों में से अधिकांश को समय रहते रोका जा सकता था ।

आग लगने की घटना केवल जान-माल की तत्काल हानि तक सीमित नहीं रहती। यह परिवारों की वर्षों की कमाई को समाप्त कर देती है, लोगों को बेघर बना देती है और मानसिक आघात छोड़ जाती है। बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांग व्यक्तियों के लिए ऐसी परिस्थितियां और भी अधिक खतरनाक होती हैं। कई परिवार वर्षों तक आर्थिक और मानसिक संकट से उबर नहीं पाते। इसके बावजूद भारत में शहरी आपदाओं के प्रति हमारी प्रतिक्रिया आज भी मुख्यतः प्रतिक्रियात्मक है। दुर्घटना होने के बाद सक्रियता दिखाई जाती है, लेकिन उससे पहले नहीं। मुआवजे की घोषणा कर देना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन दुर्घटना को रोकने के लिए निरंतर निवेश, निगरानी और राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है। मुआवजा किसी खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकता। वह किसी बच्चे के माता-पिता, किसी परिवार के मुखिया या किसी बुजुर्ग की सुरक्षा का विकल्प नहीं हो सकता। यह स्थिति हमारे शासन तंत्र की एक गंभीर प्रवृत्ति को उजागर करती है, जहां आपदा प्रबंधन पर तो ध्यान दिया जाता है, लेकिन आपदा रोकथाम पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जाता। जबकि वास्तविक आवश्यकता रोकथाम करने की है। इसके लिए दीर्घकालिक निवेश, संस्थागत समन्वय, राजनीतिक प्रतिबद्धता और नागरिक सहभागिता अनिवार्य है।

सुधार की शुरूआत प्रभावी प्रवर्तन से होनी चाहिए। अग्नि सुरक्षा नियम तभी सार्थक हैं जब उनका पालन सुनिश्चित किया जाए। सभी बहुमंजिला आवासीय परिसरों, विशेषकर पुरानी सोसायटियों का नियमित निरीक्षण होना चाहिए। केवल स्वयं-प्रमाणन या कागजी रिपोर्टों पर निर्भर रहने के बजाय स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। तकनीक इस दिशा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से अग्नि सुरक्षा प्रमाण-पत्रों की स्थिति, निरीक्षण रिपोर्ट, उपकरणों के रखरखाव और अनुपालन की जानकारी सार्वजनिक की जा सकती है। यदि नागरिकों को यह जानकारी आसानी से उपलब्ध हो, तो पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों बढ़ेंगी। सार्वजनिक निगरानी स्वयं एक प्रभावी दबाव तंत्र का कार्य कर सकती है। साथ ही, शहरी नियोजन को भी जोखिम-संवेदनशील बनाना होगा। अनेक आवासीय क्षेत्रों की आंतरिक सडकें इतनी संकरी हैं कि अग्निशमन वाहन समय पर घटनास्थल तक पहुंच ही नहीं पाते। अनधिकृत निर्माण, अव्यवस्थित पार्किंग और खुले स्थानों की कमी आपदा के समय स्थिति को और जटिल बना देती है। आग लगने की स्थिति में कुछ मिनटों की देरी भी दर्जनों जानें ले सकती है। भविष्य की शहरी परियोजनाओं में अग्नि जोखिम मूल्यांकन को स्वीकृति प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। प्रत्येक आवासीय परिसर में पर्याप्त चौड़ी सडकें, आपातकालीन निकासी मार्ग, जल स्त्रोत और अग्निशमन वाहनों के लिए पहुंच सुनिश्चित की जानी चाहिए। पुराने क्षेत्रों में भी चरणबद्ध तरीके से जोखिम कम करने वाले सुधार किए जा सकते हैं। नागरिक सहभागिता इस पूरी प्रक्रिया का महत्त्वपूर्ण आधार है। अग्नि सुरक्षा को केवल सरकार की जिम्मेदारी मानना पर्याप्त नहीं होगा। आवासीय सोसायटियों और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों को तैयारी और जागरूकता की संस्कृति विकसित करनी होगी।

जलवायु परिवर्तन एक गंभीर वैश्विक स्वास्थ्य संकट

जलवायु परिवर्तन एक गंभीर समस्या है लेकिन सामूहिक साझेदारी से हर स्तर पर छोटे-छोटे बदलाव करके भी हम एक बड़ा अंतर ला सकते हैं, जरूरत है तो सिर्फ दृढ़ इच्छा शक्ति की।

डॉ. पंकज जैन

पिछले कुछ दशकों में यह बात फिर से जोर पकडने.लगी है कि स्वास्थ्य एक मौलिक मानव अधिकार है और एक विश्व व्यापी सामाजिक लक्ष्य भी है जो बुनियादी मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति और जीवन की बेहतर गुणवत्ता व खुशहाली के लिए अति आवश्यक है। मनुष्य के स्वास्थ्य की कुंजी काफी हद तक उसके पर्यावरण में निहित है। वास्तव में मनुष्य की अधिकांश अस्वस्थता का कारण जलवायु परिवर्तन ही है जिसके चलते मानव प्रजाति गर्मी, बाढ़, सूखा, तूफान एवं चरम मौसम की मार झेलने को मजबूर है। ये घटनाएं आगे चलकर बीमारी, चोट और यहां तक कि मानव की अकाल मृत्यु का कारण भी बन सकती है। जलवायु परिवर्तन के चलते प्रतिकूल पर्यावरणीय कारक जैसे जल प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, वायु प्रदूषण, आवास की खराब स्थितियां, वेक्टर जनित बीमारियां मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए लगातार खतरा पैदा कर रहे है।

बदल रहा है मौसम का पैटर्न : अक्सर मनुष्य ही शहरीकरण, औद्योगिकीकरण एवं अन्य मानवीय गतिविधियों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार है। ऊर्जा एवं परिवहन के लिए मानव प्रजाति द्वारा जीवाश्म ईंधन जैसे कोयला, तेल, गैस आदि का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। यूनाइटेड नेशंस की एक रिपोर्ट के अनुसार जीवाश्म ईंधन वैश्विक जलवायु परिवर्तन में अब तक का सबसे बड़े योगदानकर्ता है जो वैश्विक ग्रीन हाऊस गैस उत्सर्जन के 75 प्रतिशत से अधिक और सभी कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन के लगभग 90 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार है।

इसके चलते ग्लोबल वार्मिंग एवं जलवायु परिवर्तन होता है। यह गर्म तापमान आगे चलकर मौसम के पैटर्न को बदल रहा है और प्रकृति के सामान्य संतुलन में अड़चन पैदा कर रहा है जो मनुष्यों एवं अन्य जीवों के लिए कई जोखिम पैदा करता है। लंबे समय तक गर्मी के संपर्क में रहने से थकावट, हीट स्ट्रोक, किडनी व हृदय रोग और गर्भावस्था संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार मानवीय गतिविधियां: जलवायु परिवर्तन हेतु जिम्मेदार अन्य मानवीय गतिविधियों में वनों की कटाई एवं औद्योगिकीकरण शामिल है। गर्म तापमान की परिस्थितियां टिक्स व मच्छरों को पनपने में मदद करती है जो कीट और टिक्स संबंधी रोगों में वृद्धि करती है, जिसमे डेंगू, जीका, चिकन गुनिया, वेस्ट नाइल वायरस व मलेरिया मुख्य रूप से शामिल हैं। पानी, भोजन एवं हवा की गुणवता प्रभावित होने से जठरांत्र संबंधी जीवाणु जनित बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है। जंगल की आग और सूखे से उत्पन्न धूल वायु की गुणवत्ता घटाती है जो प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से हृदय रोग, स्ट्रोक, अस्थमा, एलर्जी एवं अन्य श्वास संबंधी रोग, गर्भावस्था संबंधी जटिलताएं और कुछ कैंसर के लिए जिम्मेदार है। जलवायु परिवर्तन के तात्कालिक व दीर्घकालिक प्रभाव मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी खतरा पैदा करते हैं। जंगल में आग, तूफान, बाढ जैसी प्राकृतिक आपदाएं मानव को अस्थिरता, भय, खौफ की भावनाओं के साथ आर्थिक नुकसान भी पहुंचाती है जो कहीं ना कही चिंता, अवसाद एवं तनाव को बढ़ाती है।

प्लास्टिक के इस्तेमाल कहें ना : स्वास्थ्य संबंधी खराब शारीरिक व मानसिक स्थितियां लोगों व समुदायों के लिए बड़ी चिकित्सा लागत पैदा करती है। साथ ही, कार्य स्थल पर अनुपस्थिति भी बढ़ाती है जो अंततः किसी भी देश की अर्थ व्यवस्था के लिए घातक साबित हो सकती है। जलवायु परिवर्तन के इन प्रतिकूल प्रभावों से पूरे विश्व की बचाने के लिए अथवा इन्हें कम करने के लिए हमें शुरू से ही व्यक्तिगत, निजी संस्थानों एवं सरकारी सभी स्तर पर मिलकर काम करना होगा। व्यक्तिगत स्तर पर हमें बिजली के उपकरणो का कम इस्तेमाल एवं कम बिजली खपत वाले उपकरणों को प्राथमिकता देकर ऊर्जा के उपभोग में कटौती करनी होगी। अपने घरों की छत व दीवारों को अच्छी तरह से इंसुलेट करना होगा। सभी यह ठान लें कि कार का इस्तेमाल कम करें और सार्वजनिक परिवहन, कार पूल, साइकिल या पैदल चलने को प्राथमिकता दें। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दे। विमान यात्रा को कम करें। कचरा कम से कम करें और उसे रिसाइकल करने की कोशिश करें। प्लास्टिक इस्तेमाल का न कहें। अधिक कार्बन अवशोषित करने के लिए प्रकृति को पुनर्स्थापित करें और ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं एवं उनके बडे होने तक पूरी देखभाल करें। पानी की बबार्दी रोकें।

सामूहिक साझेदारी आवश्यक: समुदाय एवं सरकार के स्तर पर आवश्यकता है कि नवीकरणीय ऊर्जा जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, लहर, ज्वार और भूतापीय ऊर्जा में निवेश बढ़े एवं जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम कर उसे जमीन में ही रहने दें। औद्योगिक प्रक्रियाओं में ग्रीन हाउस गैस का उत्सर्जन कम करने की पहल हो। वनरोपण और वनीकरण को बढ़ावा दिया जाए। जलवायु परिवर्तन के लिए बनी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय नीतियों की कड़ाई से पालना सुनिश्चित हो। लोगों को जलवायु परिवर्तन एवं इसके दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने के लिए पर्यावरण शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए। जलवायु परिवर्तन एक गंभीर समस्या है लेकिन सामूहिक साझेदारी से हर स्तर पर छोटे-छोटे बदलाव करके भी हम एक बड़ा अंतर ला सकते हैं, जरूरत है तो सिर्फ दृढ़ इच्छा शक्ति की।

सत्य के सामने झुकना

ओशो

चिंतन-मनन

जीवन के हर आयाम में सत्य के सामने झुकना मुश्किल है और झूठ के सामने झुकना सरल। ऐसी उलटबांसी क्यों है? उलटबांसी जरा भी नहीं है, सिर्फ तुम्हारे विचार में जरा सी चूक हो गई है, इसलिए उलटबांसी दिखाई पड़ रही है। चूक बहुत छोटी है, शायद एकदम से दिखाई न पड़े। सत्य के सामने झुकना पड़ता है, झूठ के सामने झुकना ही नहीं पड़ता, झूठ तुम्हारे सामने झुकता है और इसीलिए झूठ से दोस्ती आसान है, क्योंकि झूठ तुम्हारे सामने झुकता है और सत्य से दोस्ती कठिन है, क्योंकि सत्य के सामने तुम्हें झुकना पड़ता है। अंधा अंधेरे से दोस्ती कर सकता है, क्योंकि अंधेरा आंखें चाहिए ऐसी मांग नहीं करता, लेकिन अंधा प्रकाश से दोस्ती नहीं कर सकता है, क्योंकि प्रकाश से दोस्ती के लिए पहले तो आंखें चाहिए। अंधा अमावस की रात के साथ तो तल्लीन हो सकता है, मगर पूर्णिमा की रात के साथ बेचैन हो जाएगा। पूर्णिमा की रात उसे उसके अंधेपन की याद दिलाएगी। अमावस की रात अंधेपन को भुलाएगी, याद नहीं दिलाएगी। तुम कहते हो, जीवन के हर आयाम में सत्य के सामने झुकना मुश्किल है। यह सच है क्योंकि सत्य के सामने झुकने का अर्थ होता है अहंकार को विसर्जित करना, लेकिन दूसरी बात सच नहीं है, जो तुम कहते हो कि झूठ के सामने झुकना सरल क्यों है? झूठ तो सदा तुम्हारे सामने झुका हुआ खड़ा है, तुम्हारे पैरों में बैठा है। झूठ के साथ दोस्ती आसान क्योंकि झूठ तुम्हें रूपांतरित करने की बात ही नहीं करता। झूठ तो कहता है कि तुम हो ही, जो होना चाहिए वही हो, उससे भी श्रेष्ठ तुम हो। झूठ तुम्हारी प्रशंसा के पुल बांधता है। झूठ तुम्हें बड़ी सांत्वना देता है और कितने-कितने झूठ हमने गढ़े हैं! इतने झूठ कि अगर तुम खोजने चलो तो घबरा जाओगे! सत्य तो एक है, झूठ अनंत हैं। जैसे स्वास्थ्य एक है और बीमारियां अनेक हैं, ऐसे ही सत्य एक है और सत्य तुम्हें फुसलाएगा नहीं, तुम्हारी खुशामद नहीं करेगा। सत्य तो कड़वा मालूम पड़ेगा, क्योंकि तुम झूठ की मिठास के आदी हो गए हो। झूठ तो अपने ऊपर शक्कर चढ़ाकर आएगा। सत्य तो जैसा है वैसा है। जो लोग झूठ के आदी हो गए हैं, वे सत्य से तो आंखें चुराएंगे, सत्य उनकी जीभ को जमेगा ही नहीं। सत्य तो उन्हें बहुत तिक्त मालूम होगा, कड़वा मालूम होगा।

आपके पत्र

बढ़ती रसोई गैस कीमतों से निपटना जरूरी

पश्चिमी एशिया के तनाव के कारण हमारे देश में पिछले तीन महीनों में रसोई गैस की कीमतों में दो बार वृद्धि हो चुकी है और अभी भी यह कहा जा रहा है कि अभी भी घाटा हो रहा है, क्योंकि अमेरिका और ईरान युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में तेजी है। अब कुछ राज्यों में रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 1000 रुपए के करीब या इससे ऊपर हो चुकी है।

सरकारों और समृद्ध लोगों के लिए यह वृद्धि मामूली रकम हो सकती है, लेकिन एक दिहाड़ीदार से पूछो कि रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में इस बढ़ोतरी से उसे कितनी परेशानी हुई। एक तरफ सरकार गरीबों को मुफ्त का राशन बांट रही है, वहीं रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी से आम लोग परेशान हैं।

लोकेश सिंह

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

नगर पुलिस ने मारपीट के मामले में एक युवक गिरफ्तार

साहिबगंजःनगर थाना क्षेत्र के बनपर टोला निवासी टुनटुन रमानी को नगर पुलिस ने मारपीट के मामले में गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि टुनटुन के विरुद्ध पर्व में मारपीट का मामला दर्ज हुआ था। पुलिस ने मामले का अनुसंधान करते हुए गिरफ्तार किया और पूछताछ के बाद जेल भेज दिया।

सरकारी योजनाओं से लोगों को जोड़ना और उनके अधिकारों की रक्षा करना है : अखिल

साहिबगंज : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज द्वारा वृद्ध नागरिकों की सहायता एवं सुविधा के लिए ह्यवृद्धजन सहायता एवं सुविधा केंद्र की स्थापना की गई है।नालसा की जागृति योजना 2025 के तहत स्थापित इन केंद्रों का उद्देश्य जिले के वृद्ध नागरिकों को त्वरित कानूनी सहायता उपलब्ध कराना उन्हें सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना और उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना है। इन केंद्रों का शुभारंभ साहेबगंज स्थित वृद्धा आश्रम एवं साहेबगंज प्रखंड कार्यालय में किया गया है।जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज के सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने बताया कि वृद्धजन सहायता एवं सुविधा केंद्र के माध्यम से वृद्ध नागरिकों को निःशुल्क विधिक सलाह, शिकायतों का समाधान, विवाद निवारण, आवश्यक दस्तावेजों में सहायता तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग प्रदान किया जाएगा।उन्होंने बताया कि केंद्र के प्रमुख कार्यों में वृद्ध नागरिकों के आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई, माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के संबंध में सहायता, संपत्ति संबंधी विवाद, दुर्व्यवहार एवं अन्य समस्याओं के समाधान हेतु विधिक सहयोग तथा विधिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन शामिल है।श्री भगत ने कहा कि वृद्धा आश्रम में स्थापित केंद्र वहां निवास कर रहे बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से सहायक होगा, जबकि प्रखंड कार्यालय स्थित केंद्र से स्थानीय क्षेत्र के वृद्ध नागरिकों को आसानी से सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज की यह पहल वृद्धजनों के सम्मान, सुरक्षा एवं अधिकारों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने जिले के सभी वृद्ध नागरिकों से5 अपील की है कि वे अपनी समस्याओं के समाधान एवं विधिक सहायता के लिए इन केंद्रों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी : अरुण सिंह

साहिबगंज : झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष अरुण सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया झामुमो केंद्रीय महासचिव विनोद पांडे शुक्रवार को साहिबगंज व पाकुड़ जिले के दौरे पर रहेंगे।इस दौरान वे निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 अभियान की समीक्षा करेंगे और पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे।दौरे में झामुमो के केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा,राजमहल सांसद विजय हांसदा राजमहल विधायक एम.टी. राजा बोरिया विधायक धंनजय सोरेन एवं लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक हेमलाल मुमूर्भी शामिल रहेंगे। बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के तहत मतदाताओं के सत्यापन,नए मतदाताओं के नाम जोड़ने,त्रुटियों के सुधार व अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर चर्चा की जाएगी।पार्टी नेताओं द्वारा कार्यकताओं से बूथ स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाने तथा मतदाता सूची को अद्यतन एवं शुद्ध बनाने में सहयोग करने की अपील की जाएगी।रक्क्रु2026 अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाना है।श्री सिंह ने बताया कि कार्यकम में केंद्रीय समिति सदस्यगण,जिला समिति साहेबगंज के पदाधिकारीगण, सभी वर्ग संगठन के पदाधिकारी गण,सभी प्रखंडों एवं नगरों के कार्यकताबीएलए-2 सहित पंचायत अध्यक्ष,सचिव समेत दर्जनों कार्यकर्तागण शामिल होंगे।प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला उपाध्यक्ष संजीव शामू हेंब्रम,केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा उर्फ बबलू मिश्रा,जिला कोषाध्यक्ष सुरेश शाह,प्रखंड अध्यक्ष अमरदीप सिंह,नगर अध्यक्ष आदित्य यादव,नगर सचिव मो नुमान अंसारी,सोशल मीडिया सदस्य मो एजाज अंसारी समेत अन्य मौजूद रहें।

राजद जिला कमिटी ने मनाई लालू प्रसाद यादव का 79 वां जन्मदिन

साहिबगंज : राष्ट्रीय जनता दल जिला कमिटी साहिबगंज के जिलाध्यक्ष सत्यनारायण यादव की अगुवाई में गुरुवार को शहर के मछुआ सोसाइटी परिसर में राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सह रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव का 79 वां जन्मदिन बड़े ही धूमधाम तरीके से मनाया।इस मौके पर राजद कार्यकताओं ने केक काटकर लालू प्रसाद यादव का जन्मदिन मनाया और उनके दीघार्यु होने की कामना की।इस मौके पर राजद जिलाध्यक्ष ने कहा कि लालू प्रसाद यादव शुरू से ही पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग दलित गरीब असहाय लोगों के लिए कई कार्य किए हैं जहां उनके 79 वां जन्मदिन पर साहिबगंज राजद जिला कमिटी के सभी पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने केक काटकर सादगी पूर्ण माहौल में जन्मदिन मनाया है।इस मौके पर राजद जिलाध्यक्ष सत्यनारायण यादव,प्रदेश सचिव मुन्ना यादव,जिला उपाध्यक्ष संजय प्रसाद यादव,दिलीप मंडल, राजद कार्यकर्ता ओमप्रकाश शर्मा, ओमप्रकाश चौधरी,संतोष कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पर्यावरण प्रेमी जेपी मेहता का निधन, शोक

हजारीबाग : एसडी मेमोरियल स्कूल के संस्थापक, जाने-माने पर्यावरण प्रेमी और प्रख्यात समाजसेवी जीतेश्वर प्रसाद मेहता (जे.पी. मेहता) उर्फ बिरजू का बीती रात निधन हो गया। वे लंबे समय से किडनी की गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। उनके निधन की खबर मिलते ही समूचे क्षेत्र और सामाजिक-राजनीतिक हलकों में शोक की लहर दौड़ गई। बिरजू सर न केवल शिक्षा के क्षेत्र में अलख जगाने के लिए जाने जाते थे।

संयुक्त प्रवर्तन दल ने उर्वरक दुकानों का औचक निरीक्षण नमूना संग्रहित किया

राजमहल में उर्वरक दुकानों पर संयुक्त प्रवर्तन दल की छापेमारी नमूना जांच के लिए भेजे गए

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त के निदेर्शानुसार उर्वरक दुकानों की जांच हेतु गठित संयुक्त प्रवर्तन दल द्वारा राजमहल प्रखंड स्थित तारा फर्टिलाइजर व विकास कृषि केन्द्र का औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों में उपलब्ध उर्वरकों के स्टॉक, दर सूची, स्टॉक पंजी, बिक्री पंजी, गोदाम और पीओएस मशीन के अभिलेखों का गहन परीक्षण किया गया। साथ ही गोदाम में उपलब्ध उर्वरकों का भौतिक सत्यापन भी किया गया। जांच टीम ने दुकानदारों को प्रतिदिन उर्वरकों की दर सूची व स्टॉक की अद्यतन

स्थिति दुकान के बाहर प्रदर्शित करने का सख्त निर्देश दिया। साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि उर्वरकों की बिक्री केवल किसानों को ही की जाए। टीम द्वारा उर्वरकों की जमाखोरी, कालाबाजारी तथा गैर-कृषि कार्यों में उपयोग पर कड़ी चेतावनी देते हुए कहा गया कि ऐसी गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दुकानदारों को सरकार द्वारा अधिकृत थोक विक्रेताओं से ही उर्वरक क्रय करने का निर्देश भी दिया गया।निरीक्षण के क्रम में दुकानों में उपलब्ध कीटनाशकों की भी जांच की गई। इस दौरान दवाओं की वैधता अवधि का सत्यापन किया गया तथा दुकानदारों को नाबालिग बच्चों एवं महिलाओं को किसी भी परिस्थिति में पेस्टीसाइड की बिक्री नहीं करने का सख्त निर्देश दिया गया।संयुक्त प्रवर्तन दल द्वारा उर्वरकों के नमूने भी संग्रहित किए गए, जिन्हें गुणवत्ता परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।इस निरीक्षण अभियान में अनुमंडल पदाधिकारी, राजमहल, जिला कृषि पदाधिकारी, साहेबगंज, अंचल अधिकारी, राजमहल तथा प्रखंड कृषि पदाधिकारी, राजमहल शामिल थे।

आधुनिक पुलिसिंग के अनुरूप स्वयं को तैयार करने का अवसर मिलता है

संवाददाता

साहिबगंज : पुलिस लाइन स्थित एसपी कार्यालय सभागार में आयोजित 70वीं संताल परगना क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट 2026-27 के दूसरे दिन गुरुवार को पुलिस अधिकारियों एवं जवानों की अनुसंधान क्षमता, फोरेंसिक दक्षता तथा आधुनिक तकनीकी ज्ञान का व्यापक आकलन किया गया। संताल परगना प्रमंडल के छह जिलों से पहुंचे कुल 77 प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी पेशेवर योग्यता का प्रदर्शन किया। आयोजित प्रतियोगिताओं में मेडिको-लीगल जांच, क्राइम सीन मैनेजमेंट पुलिस फोटोग्राफी, पुलिस वीडियोग्राफी, एंटी सबोटाज चेक, पुलिस स्वान दस्ता, घटना के बाद डंप रिपोर्ट तैयार करना तथा घटनास्थल से प्राप्त फुटप्रिंट के वैज्ञानिक विश्लेषण जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहे।इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रतिभागियों की अपराध अनुसंधान, साक्ष्य संकलन, वैज्ञानिक जांच पद्धति तथा आधुनिक तकनीकों के उपयोग की क्षमता का मूल्यांकन किया गया।आयोजकों के अनुसार विभिन्न विषयों की लिखित, मौखिक एवं प्रायोगिक परीक्षाएं गुरुवार देर शाम तक संचालित होती रहीं। बाहरी विशेषज्ञों एवं जूरी सदस्यों की टीम प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन कर रही है। प्रतियोगिता में प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाएगी।

इससे पूर्व पुलिस ड्यूटी मीट का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने किया था। उन्होंने कहा था कि बदलते समय के साथ अपराध का स्वरूप और अपराधियों के तौर-तरीके लगातार बदल रहे हैं। ऐसे में पुलिसकर्मियों के लिए नई तकनीकों, वैज्ञानिक अनुसंधान पद्धतियों और आधुनिक उपकरणों की जानकारी आवश्यक हो गई है। पुलिस ड्यूटी मीट अधिकारियों एवं जवानों को सीखने, अनुभव साझा करने और अपनी कार्यकुशलता को निखारने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती है।पुलिस ड्यूटी मीट में साहिबगंज, पाकुड़, दुमका, देवघर, गोड्डा एवं जामताड़ा जिलों के पुलिस अधिकारी एवं जवान भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तरीय पुलिस ड्यूटी मीट के लिए किया जाएगा। राज्य स्तर पर सफल होने वाले प्रतिभागियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ड्यूटी मीट के समापन के बाद 15 जून से 17 जून तक पुलिस रेंज गेम्स का आयोजन भी किया जाएगा। इस आयोजन में पुलिस बल के अधिकारी एवं जवान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी शारीरिक क्षमता, अनुशासन और टीम भावना का प्रदर्शन करेंगे।

आयोजकों ने बताया कि शुक्रवार को सभी प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए जाएंगे। समापन समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों एवं जवानों को प्रशस्ति पत्र, मेडल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित प्रतिभागियों की घोषणा भी की जाएगी।

क्यों महत्वपूर्ण है पुलिस ड्यूटी मीट पुलिस ड्यूटी मीट पुलिस बल की पेशेवर दक्षता बढ़ाने की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसके माध्यम से पुलिस अधिकारियों एवं जवानों की अनुसंधान क्षमता, फोरेंसिक विज्ञान की समझ, साइबर अपराधों से निपटने की योग्यता और कानून संबंधी ज्ञान का आकलन किया जाता है। इससे पुलिसकर्मियों को नई तकनीकों को सीखने और आधुनिक पुलिसिंग के अनुरूप स्वयं को तैयार करने का अवसर मिलता है।

विशेषज्ञों का मानना है।कि इस तरह के आयोजन अपराध अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार लाने के साथ-साथ पुलिस बल को अधिक सक्षम और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सुबह की दौड़ पर निकले युवक को तेज रफ्तार ट्रक ने रौंदा, मौत

हजारीबाग : हजारीबाग के सदर प्रखंड अंतर्गत बभनबै निवासी एक 29 वर्षीय युवक की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। घटना गुरुवार की सुबह उस वक्त घटी जब युवक अपनी दिनचर्या के अनुसार दौड़ लगाने के लिए कर्जन ग्राउंड जा रहा था। इस हादसे ने एक होनहार जीवन का चिराग बुझा दिया, जो भविष्य में सेना और पुलिस में भर्ती होकर देश सेवा का सपना देख रहा था।मृतक की पहचान बभनबै निवासी अनिल साहू के 29 वर्षीय पुत्र अश्वनी कुमार के रूप में की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह जब अश्वनी नेक्सा शोरूम के समीप से गुजर रहा था, तभी पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित तेज रफ्तार ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।घटना की सूचना मिलते ही बड़ा बाजार थाना प्रभारी मुकेश कुमार रजक दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने संबंधित ट्रक को जब्त कर लिया है और ट्रक के नंबर के आधार पर वाहन चालक व मालिक के विरुद्ध मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

युवक की असामयिक मौत की खबर मिलते ही हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद तत्काल शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। विधायक ने इस दुखद घड़ी में पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह क्षति अपूरणीय है। उन्होंने पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता का भरोसा दिलाते हुए कहा कि वे दुख की इस घड़ी में उनके साथ मजबूती से खड़े हैं। अश्वनी की असमय मौत से क्षेत्र में शोक की लहर है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों के अनुसार, अश्वनी बेहद होनहार और अनुशासित युवक था, जो अपनी मेहनत के दम पर सेना या पुलिस में शामिल होने का सपना संजोए हुए था। उसकी मौत ने पूरे बभनबै और आसपास के क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है।

मोबाइल फोनों को विधिवत जब्त कर जब्ती सूची तैयार की गई

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : रेलवे सुरक्षा बल आरपीएफ पोस्ट बरहरवा इंस्पेक्टर संजीव कुमार को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि ट्रेन संख्या 13403 अप वनांचल एक्सप्रेस के जनरल कोच में दो व्यक्ति बड़ी संख्या में संदिग्ध चोरी के मोबाइल फोन लेकर यात्रा कर रहे हैं।सूचना के आधार पर आरपीएफ पोस्ट बरहरवा के निरीक्षक संजीव कुमार के नेतृत्व में आरपीएफ के सिपाही अनिल कुमार साह सीपीडीएस टीम के सिपाही विनय कुमार वर्मा,प्रधान आरक्षी योगेन्द्र मांझी एवं सिपाही नितीश कुमार के साथ गुमानी स्टेशन से बरहरवा रेलवे स्टेशन तक विशेष जांच अभियान चलाया गया।जांच के दौरान जनरल कोच संख्या इआर-104464 में दो संदिग्ध व्यक्ति पिट्ठू बैग के साथ पाए गए।छापामारी दल को देखकर दोनों चलती ट्रेन से उतरने का प्रयास करने लगे,जिन्हें तत्परता एवं सूझबूझ का परिचय देते हुए पकड़ लिया गया।पूछताछ में उनकी पहचान मोहम्मद नासरुद्दीन शेख 28 वर्ष एवं मोहम्मद रहमत शेख 23 वर्ष दोनों निवासी कलियाचक,जिला मालदा पश्चिम बंगाल के रूप में हुई।बरहरवा स्टेशन पर दोनों के बैगों की तलाशी लेने पर कुल 174 पुराने एवं प्रयुक्त एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए गए।इनमें से 85 मोबाइल फोन मोहम्मद नासरुद्दीन शेख तथा 89 मोबाइल फोन मोहम्मद रहमत शेख के कब्जे से प्राप्त हुए।बरामद मोबाइल फोनों का अनुमानित बाजार मूल्य ₹ 58,95,878/-अट्ठावन लाख पचानवे हजार आठ सौ अठहत्तर रुपये आंका गया है।पूछताछ के दौरान दोनों आरोपी बरामद मोबाइल फोनों के संबंध में कोई वैध दस्तावेज,स्वामित्व प्रमाण अथवा संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं कर सके।इसके उपरांत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के प्रावधानों के तहत सभी मोबाइल फोनों को विधिवत जब्त कर जब्ती सूची तैयार की गई तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई हेतु दोनों आरोपियों एवं बरामद मोबाइल फोनों को रेल थाना बरहरवा के सुपुर्द कर दिया गया है।

ओरिया सिंघानी ओवर ब्रिज की सर्विस रोड बनी मुसीबत

हजारीबाग : शहर के ओरिया-सिंघानी ओवरब्रिज की सर्विस रोड बदहाली के आंसू रो रही है। सड़क निर्माण के नाम पर हुई कोड़कर और अधूरा छोड़ दिया गया। सड़क ने स्थानीय लोगों और राहगीरों का जीना मुहाल कर दिया है। पिछले दो वर्षों से ओवरब्रिज पर लगी स्ट्रीट लाइटें महज शो पीस बनकर रह गई हैं, जिससे रात के अंधेरे में दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। इससे धूल फांकने को लोग मजबूर हैं। वही बारिश होनेक बाद कीचड़ में गाड़ियां फंस रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सर्विस रोड को खोदकर छोड़ देने के कारण पूरे क्षेत्र में धूल का गुबार छाया रहता है, जिससे सांस लेना भी दुश्वार हो गया है। वहीं, हल्की बारिश होते ही यह सड़क दलदल में तब्दील हो जाती है, जिसमें वाहन घंटों फंसे रहते हैं और आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है।

ओवरब्रिज पर लाखों की लागत से लगी स्ट्रीट लाइटें पिछले दो साल से बंद पड़ी हैं। रात होते ही अंधेरा पसर जाता है, जिससे राहगीर सुरक्षित महसूस नहीं करते। लोगों ने आशंका जताई है कि अंधेरे का फायदा उठाकर क्षेत्र में चोरी, डकैती और अन्य अवैध कारोबारों को बढ़ावा मिल सकता है। प्रशासन की इस उदासीनता से स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। लोगों का कहना है कि सड़क निर्माण के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की गई है। दो साल से हम धूल और अंधेरे के बीच जीने को मजबूर हैं। अगर समय रहते सर्विस रोड का निर्माण और लाइटें चालू नहीं की गईं, तो ग्रामीण सड़क पर उतरने को मजबूर होंगे।आक्रोशित ग्रामीणों और राहगीरों ने एनएचआई और जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि सर्विस रोड का गुणवत्तापूर्ण निर्माण शीघ्र पूरा नहीं किया गया और स्ट्रीट लाइटें चालू नहीं हुईं, तो आंदोलन का रास्ता अख्तियार किया जाएगा। लोगों ने प्रशासन से जनहित में जल्द से जल्द ठोस कदम उठाने का आग्रह किया है।

लंबित योजनाओं के त्वरित निष्पादन व नई योजनाओं की स्वीकृति पर हुई चर्चा

वित्तीय वर्ष 2023-24 की 48 में से 47 योजनाएं पूर्ण वर्ष 2024-25 की 48 में से 43 योजनाएं पूर्ण शेष योजना शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला योजना अनाबद्ध निधि अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक की योजनाओं का वितीय एवं भौतिक प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों एवं कार्यकारी एजेंसियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।समीक्षा के दौरान वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 की जिला योजना अनाबद्ध निधि अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। मई 2026 तक की

उपलब्धि के अनुसार जिले में स्वीकृत वित्तीय वर्ष 2023-24 की कुल 48 योजनाओं में से 47 योजनाएं भौतिक रूप से पूर्ण कर ली गई हैं। शेष एक योजना लंबित है। वर्ष 2024-25 के अंतर्गत स्वीकृत कुल 48 योजनाओं में से 43 योजनाओं का कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जबकि 5 योजनाओं पर कार्य प्रगति पर है। उपायुक्त ने संबंधित कार्यकारी एजेंसियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी लंबित कार्यों को पूर्ण करने तथा भौतिक रूप से पूर्ण योजनाओं का अधियाचना शीघ्र समर्पित करने का निर्देश दिया। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत अनाबद्ध निधि से संचालित योजनाओं की भी समीक्षा के दौरान जिले में कुल 70 योजनाएं स्वीकृत एवं संचालित हैं। जिसमें 24 योजनाएं भौतिक रूप से पूर्ण है। शेष 46 योजनाओं का कार्य विभिन्न चरणों यथा एकरारनामा निष्पादन एवं कार्यान्वयन की प्रक्रिया जारी है, जिसे शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।उपायुक्त द्वारा जिला योजना कार्यालय एवं संबंधित कार्यकारी एजेंसियों को निर्देश दिया कि सभी लंबित योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए तथा वित्तीय प्रावधानों के अनुरूप कार्यों में तेजी लायी जाए। साथ ही वर्ष 2026-27 में कार्यान्वयन हेतु मूलभूत सुविधाओं एवं आधारभूत संरचनाओं से संबंधित योजनाओं के प्राक्कलन तैयार कराते हुए जिला योजना कार्यकारिणी समिति के समक्ष उपस्थापित करने एवं कार्यपालक अभियंताओं को शेष योजनाओं के त्वरित एवं गुणवतापूर्ण निष्पादन हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।बैठक में जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगार्नंद झा, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल रामाकांत, कार्यालय अभियंता, एनआरईपी देवीलाल हांसदा सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

मशहूर निशानेबाज जसपाल राणा का निधन, शूटिंग जगत में शोक की लहर,पीएम मोदी ने जताया शोक

,2,3,लीड

नई दिल्ली: मशहूर भारतीय निशानेबाजी कोच जसपाल राणा का शुक्रवार को निधन हो गया। राणा एशियाई खेलों के पूर्व स्वर्ण पदक विजेता हैं और ओलंपिक में दो बार पदक जीत चुकीं स्टार निशानेबाज मनु भाकर के कोच रह चुके हैं। राणा का 49 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। बताया जा रहा है कि जर्मनी से लौटने के बाद अचानक ही उनकी तबीयत बिगड़ गई थी और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका निधन हृदय की बीमारी के इलाज के दौरान हुआ है।

फ्लाइट में ही बिगड़ गई थी तबीयत: राणा म्यूनिख में आईएसएसएफ विश्व कप के बाद जर्मनी से लौटे थे। वह फिलहाल भारतीय पिस्टल निशानेबाजों के हाई परफॉर्मेंस कोच के रूप में कार्य कर रहे थे। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था और दो स्वर्ण तक इतने ही रजत पदक जीते थे। भारतीय राइल संघ (एनआरएआई) के एक सूत्र ने कहा, हां, जसपाल को

फ्लाइट में कुछ दिक्कतें हो रही थी और दिल्ली में उतरने के बाद वह सीधे अस्पताल गए। वहां, उनका टेस्ट किया गया और स्टेंट डाला गया।

द्रोणाचार्य पुरस्कार से थे सम्मानित: एनआरएआई ने उन्हें आधिकारिक तौर पर 25 मीटर पिस्टल इवेंट के लिए हाई-परफॉर्मेंस कोच नियुक्त किया था।

राणा को कड़ी ट्रेनिंग रूटीन शुरू करने का श्रेय दिया जाता है। एनआरएआई ने फरवरी 2025 में राणा को 25 मीटर पिस्टल इवेंट के लिए हाई-परफॉर्मेंस कोच नियुक्त किया था। खेल और शूटर्स की अगली पीढ़ी को तैयार करने में उनके बड़े योगदान के लिए सरकार ने उन्हें 2020 में प्रतिष्ठित द्रोणाचार्य अवॉर्ड से सम्मानित किया।

राणा ने भारत में निशानेबाजी को बढ़ाया आगे: राणा का निधन भारतीय निशानेबाजी जगत के लिए एक बहुत बड़ा झटका है। राणा ने एक चैंपियन खिलाड़ी और कोच, दोनों ही रूपों में तीन दशकों से ज्यादा समय तक अपना योगदान दिया। उन्होंने एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में कई पदक जीते और देश के सबसे सफल निशानेबाजों में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाई। राणा ने कई वर्षों तक शानदार ढंग से भारत का प्रतिनिधित्व किया और निशानेबाजी को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाई, खासकर उस समय जब देश में यह खेल विकसित हो रहा था। शूटिंग रेंज पर उनकी उपलब्धियों ने उन्हें काफी पहचान दिलाई और युवा शूटर्स की एक पीढ़ी को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

पीएम मोदी ने जताया शोक: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जसपाल राणा के निधन पर गहरा शोक जताया। मोदी ने एक्स पर लिखा, जसपाल राणा जी के निधन से गहरा दुख हुआ है। उनका जाना भारतीय खेल जगत के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। उन्होंने निशानेबाजी में अपनी असाधारण उपलब्धियों से देश का मान बढ़ाया। एक मेंटर के तौर पर भी उनका योगदान बहुत अहम रहा। उन्होंने पूरी लगन से युवा खिलाड़ियों को तराशा और उनका मार्गदर्शन किया। बेहतरीन प्रदर्शन, अनुशासन और खेल जगत की सेवा के प्रति उनकी अटूट निष्ठा के कारण उन्हें बहुत सम्मान मिला। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और पूरे खेल जगत के साथ हैं।

बिहारी कैसा दिखता है? स्टीरियोटाइप्स तोड़ने पर खुलकर बोले क्रांति प्रकाश झा

अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने के लिए मशहूर, क्रांति प्रकाश झा ने एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी, संकल्प और दर्शकों की पसंदीदा क्राइम ड्रामा सीरीज रक्तांचल जैसे प्रोजेक्ट्स के साथ अपनी एक खास पहचान बनाई है। पिछले कुछ सालों में, उन्होंने जमीन से जुड़े और रिलेटेबल किरदारों को निभाने के लिए काफी नाम कमाया है, और अपनी सादगी व स्क्रीन प्रेजेंस के लिए खूब तारीफें बटोरी हैं। हाल ही में, क्रांति ने बिहार से जुड़े स्टीरियोटाइप्स (रूढ़िवादी सोच) पर खुलकर बात की और बताया कि जैसे ही लोगों को पता चलता है कि वह कहाँ से हैं, तो उनका नजरिया कैसे बदल जाता है। अपने अनुभवों को शेयर करते हुए, एक्टर ने उन धारणाओं के बारे में बात की जो आज भी क्षेत्रीय पहचान के साथ जुड़ी हुई हैं और यह भी बताया कि ये चीजें लोगों को देखने के तरीके को कैसे प्रभावित करती हैं।

इसी बारे में बात करते हुए क्रांति प्रकाश झा ने कहा, दिक्कत हमारे साथ नहीं है, हमारी पहचान के साथ है। हम चाहे कहीं भी चले जाएं, कुछ भी कर लें, जैसे ही सामने वाले को पता चलता है कि आप बिहार से हैं, वह थोड़ा असभ्य हो जाता है। कई बार लोगों ने मुझसे कहा है कि तुम बिहारी जैसे नहीं लगते। मुझे आज तक समझ नहीं आया कि एक बिहारी कैसा दिखता है। अपनी इन बेबाक बातों के जरिए एक्टर ने इस बात पर रोशनी डाली कि कैसे किसी व्यक्ति को जानने से बहुत पहले ही स्टीरियोटाइप्स लोगों के नजरिए को तय कर देते हैं। उनके ये कमेंट्स पहचान से जुड़ी एक बड़ी बहस और समाज में आज भी मौजूद पुरानी सोच से आगे बढ़ने की जरूरत को दिखाते हैं। क्रांति की इन बातों ने बहुत से लोगों को प्रभावित किया है, खासकर ऐसे समय में जब देश भर में रीजनल कहानियों, कल्चर्स और आवाजों को बड़ी पहचान मिल रही है। एक बिहारी को कैसा दिखना चाहिए, इस पर सवाल उठाकर वह उन संकीर्ण परिभाषाओं को चुनौती देते हैं जो अक्सर पूरे समुदाय पर थोप दी जाती हैं। वहीं, अगर प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें, तो क्रांति प्रकाश झा अपने सबसे ज्यादा अवेटेड प्रोजेक्ट्स में से एक रक्तांचल 3 के लिए तैयारी कर रहे हैं, और दर्शक इस पॉपुलर क्राइम ड्रामा फ्रेंचाइजी में उनकी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

विक्की निहलानी मेरा पहला प्यारः करीना कपूर

करीना कपूर खान आज बॉलीवुड की सबसे सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने साल 2012 में अभिनेता सैफ अली खान के साथ शादी रचाई थी। सैफ से पहले उनका नाम शहीद कपूर के साथ भी लम्बे समय तक जुड़ा रहा और दोनों का रिश्ता काफी चर्चा में रहा। हालांकि बहुत कम लोग जानते हैं कि इन दोनों सितारों से पहले भी करीना किसी और के प्यार में पड़ चुकी थी। अभिनेत्री ने खुद एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि महज 13 साल की उम्र में उन्हें पहली बार प्यार हुआ था और वह उस शख्स को अपना पहला प्यार मानती हैं। उस समय वह उनकी दीवानी थीं और उन्हें देखकर अपना दिल हार बैठी थीं।

कौन था बॉलीवुड की बेबो का पहला प्यार ? : करीना कपूर ने एक पुराने इंटरव्यू में अपने पहले प्यार का जिक्र करते हुए दिवंगत फील निर्माता और पूर्व सेंसर बोर्ड अध्यक्ष पहलाज निहलानी के बेटे विक्की निहलानी का नाम लिया था। उन्होंने विक्की को अपना पहला प्यार और सोलमेट बताया था। करीना ने साल 2000 में फिल्म रिफ्यूजी से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसके कुछ साल बाद 2003 में दिए एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने विक्की के साथ अपने खास रिश्ते पर खुलकर बात की और अपनी भावनाएं साझा की थीं। एक इंटरव्यू के दौरान करीना कपूर ने विक्की निहलानी के साथ अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया था कि विक्की उनके जीवन के बेहद खास इंसान थे और हमेशा हर परिस्थिति में उनका साथ देते थे। करीना ने यह भी कहा था कि उन्होंने महज 13 साल की उम्र में विक्की से प्यार हो गया था और वह उन्हें अपना पहला प्यार मनाती हैं। उस समय दोनों अपने-अपने करियर पर ध्यान दे रहे थे और भविष्य को लेकर कोई ठोस योजना नहीं बनाई थी। हालाँकि समय के साथ उनका रिश्ता आगे नहीं बढ़ पाया और आखिरकार दोनों ने अलग-अलग रास्ते चुन लिए।

नवंबर 2012 में करीना कपूर ने की थी शादी : विक्की निहलानी से अलग होने के बाद करीना कपूर की जिंदगी में अभिनेता शहीद कपूर आए। दोनों का रिश्ता उस समय बॉलीवुड के सबसे चर्चित प्रेम सम्बन्धो में से एक माना जाता था और उनकी जोड़ी को फैंस भी काफी पसंद करते थे। हालाँकि, यह रिश्ता भी लम्बे समय तक नहीं टिक सका और दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिए।

आईसीसी वनडे रैंकिंग में भारत की बादशाहत कायम, ऑस्ट्रेलिया तीसरे स्थान पर

दुबई/एजेंसी: भारत वार्षिक अपडेट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की पुरुषों की वनडे टीम रैंकिंग में शीर्ष पर बना हुआ है, लेकिन न्यूजीलैंड पर उसकी बढ़त आठ अंक से घटकर सिर्फ पांच अंक की रह गई है। अपडेट के बाद भारत के अंक 119 से घटकर 118 हो गए हैं, जबकि न्यूजीलैंड के दो अंक के फायदे से 113 अंक हैं। मौजूदा विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 109 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। शीर्ष 10 टीम में एकमात्र बदलाव में दक्षिण अफ्रीका (102) ने पाकिस्तान (98) को पछाडकर चौथा स्थान हासिल कर लिया है। नौवें स्थान पर मौजूद बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच अंतर अब बढकर 10 अंक का हो गया है।

आयरलैंड ने जिम्बाब्वे को पीछे छोडकर 11वां स्थान हासिल किया है, जबकि अमेरिका भी स्कॉटलैंड से आगे निकलकर 13वें स्थान पर है। संयुक्त अरब अमीरात अब कनाडा से आगे 19वें स्थान पर है। पिछले सप्ताह किए गए सालाना अपडेट के बाद भारत आईसीसी की पुरुषों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भी शीर्ष पर है, जबकि ऑस्ट्रेलिया टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक है। ऑस्ट्रेलिया महिलाओं की एकदिवसीय और टी-20 अंतरराष्ट्रीय दोनों रैंकिंग में शीर्ष पर है।

22 साल बाद बड़े पर्दे पर फिर लौटेगा 90 के दशक का रोमांस, अक्षय- रवीना की जोड़ी मचाएगी धमाल

बॉलीवुड के जाने-माने एक्टर अक्षय कुमार अपनी आने वाली फिल्म वेलकम टू द जंगल को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। इस मूवी की सबसे रोमांचक बात यह है कि इसमें रवीना टंडन की भी एंट्री होगी। कम से कम 22 सालों बाद अक्षय कुमार और रवीना एक साथ बड़े परदे नजर आएँगे। दोनों को साथ में देखने के लिए उनके फैंस काफी उत्साहित हैं। आपको बता दें कि 90 के दशक में दोनों की जोड़ी सबसे बेस्ट मानी जाती थी। दोनों ने बहुत सी फिल्मो में एक-साथ काम किया था और अब फिर से दर्शकों को 90 के दशक का रोमांस देखने को मिलेगा।

अक्षय कुमार और रवीना टंडन की पुरानी फिल्में: आपको बता दें कि अक्षय कुमार और रवीना ने एक-साथ लगभग 7 फिल्मों में काम किया है। इनमें मोहरा, मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी, दावा, बारूद, कीमत, खिलाड़ियों का खिलाड़ी, पुलिस फोर्स शामिल हैं।

26 जून को रिलीज होगी फिल्म वेलकम टू द जंगल: अक्षय कुमार और रवीना की मूवी वेलकम टू जंगल जल्द ही 26 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म में रवीना टंडन के साथ-साथ संजय दत्त, सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी और जैकलीन फर्नांडिस जैसे बड़े सितारें शामिल होंगे।

मां बनने के बाद अब फिर से कमबैक करेंगी कैटरीना, ओटीटी से कर सकती हैं वापसी

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार माँ बनने के बाद अब कैटरीना कैफ धीरे-धीरे अपने प्रोफेशनल कमिटमेंट्स की ओर लौटने की तैयारी कर रही हैं। बताया जा रहा है कि वह इन दिनों कई नई फिल्मों और प्रेजेक्ट्स की स्क्रिप्ट्स पर विचार कर रही हैं।

खबरों के मुताबिक कैटरीना कैफ इस समय किसी भी फिल्म या शो को जल्दबाजी में साइन करने के मूड में नहीं हैं। वह कैसी कहानियों को प्राथमिकता देना चाहती हैं जो उनकी जिंदगी के वर्तमान दौर और सोच के साथ मेल खाती हों। यही कारण है कि वह हर स्क्रिप्ट को बारीकी से पढ़कर उसके हर पहलू का आकलन कर रही हैं।

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ सकती हैं नजर : खबरें यह भी हैं कि कैटरीना डिजिटल प्लेटफार्म पर कदम रखने की सम्भावना पर विचार कर रही हैं। यदि एक होता है तो यह उनके करियर का पहला ओटीटी प्रोजेक्ट होगा। आज के टाइम में बहुत से बड़ी-बड़ी हस्तियां भी वेब सीरीज और ओटीटी कंटेंट की ओर रुख कर रहे हैं, ऐसे में कैटरीना भी इस माध्यम को एक्स्प्लोर करने की इच्छुक नजर आ रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार वह साल 2027 के दूसरे हिस्से में शूटिंग फ्लोर पर वापसी कर सकती हैं।

महिला टी-20 वर्ल्ड कप का आगाज आज से,12 टीमें बनेंगी हिस्सा

एजेंसी/ बर्मिंघम: महिला टी-20 विश्व कप 2026 का आगाज शुक्रवार यानी आज से होने जा रहा है। भारतीय महिला टीम ने अब तक कभी टी-20 विश्व कप का खिताब अपने नाम नहीं किया है, लेकिन वह इस बार प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। भारत अपने अभियान की शुरूआत 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच से करेगा। भारत, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीम आईसीसी टी20 महिला विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के पारंपरिक दबदबे को चुनौती दे सकती हैं। इस टूर्नामेंट में 12 टीमें भाग ले रही हैं।

इंग्लैंड के पास ऐलिस कैप्सी, टिली कोर्टीन-कोलमैन और फ्रेया कैंप जैसी युवा खिलाड़ी हैं, जबकि श्रीलंका की टीम में विश्मी गुणरत्ने, इमेशा दुलानी, कविशा दिलहारी और काव्या काविंदी जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। न्यूजीलैंड की कप्तान अमेलिया केर 25 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय सर्किट की सबसे

युवा कप्तानों में से एक हैं। उनकी 2020-21 सत्र के दौरान अवसास और आत्महत्या के विचारों से उबरने की उनकी कहानी भी बहुत प्रेरणादायक है। टी-20 वर्ल्ड कप की मजबूत दावेदार भारत की टीम में एन श्री चरणी, यस्तिका भाटिया और नंदनी शर्मा जैसी युवा खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम अब भी खिताब जीतने के लिए अपने अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा कर रही है, लेकिन उनकी टीम में बल्लेबाज जॉर्जिया वोल और बाएं हाथ की तेज गेंदबाजी लूसी हैमिल्टन के रूप में दो बेहतरीन युवा स्टार भी हैं। लॉरा वोलवार्ट की कप्तानी वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम को कायला रेनेके और एनेरी डर्कसेन जैसे नए खिलाडियों की पीढ़ी आगे बढ़ रही है, जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज शबनिम इस्माइल और डैन वैन नीकर्क को संन्यास से वापस बुलाया गया है।

आज इंग्लैंड-श्रीलंका के मुकाबले से शुरूआत: आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का पहला मुकाबला इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच शुक्रवार को बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मुकाबला भारतीय समय अनुसार रात 11:00 बजे से शुरू होगा। गौरतलब है कि इन दोनों टीमों के बीच आखिरी टी-20 इंटरनेशनल साल 2023 में खेला गया था, जहां डर्बी के मैदान पर श्रीलंका ने सिर्फ 17 ओवर में 117 रनों का लक्ष्य हासिल करके इंग्लैंड की महिला टीम को सात विकेट से धूल चटाई थी। इस मुकाबले में चमारी अट्टापट्टू ने 28 गेंदों पर 44 रन ठोके थे और चार ओवर में 21 रन देकर इंग्लैंड के चार विकेट भी झटके थे। आईसीसी महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का पहला मुकाबला बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां टी-20 इंटरनेशनल में टॉस जीतने वाली टीम रन डिफेंड करना काफी ज्यादा पसंद करती है।

राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय भारतीय अंडर-19 टीम में शामिल

श्रीलंकाई दौरे के लिए टीम घोषित, टर्नामेंट चार से

नई दिल्ली: बीसीसीआई की जूनियर क्रिकेट समिति ने गुरुवार को श्रीलंका दौरे के लिए भारत की अंडर-19 टीमों की घोषणा कर दी। इस दौरे पर भारतीय टीम तीन एकदिवसीय और दो बहु-दिवसीय मैच खेलेगी। दौरे की शुरूआत चार जुलाई से होगी। इस टीम चयन की सबसे बड़ी चर्चा पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ के छोटे बेटे अन्वय द्रविड़ को लेकर रही, जिन्हें वनडे टीम में जगह मिली है। अन्वय टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में शामिल किए गए हैं। उनके साथ राजत बघेल भी विकेटकीपर की भूमिका निभाएंगे। बीसीसीआई ने दोनों प्रारूपों की टीमों की कमान यशबर्धन सिंह चौहान को सौंपी है, जबकि लक्ष्य रायचंदानी को उपकप्तान बनाया गया है।

घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन का मिला इनामः 17 वर्षीय अन्वय द्रविड़ ने हाल ही में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने कर्नाटक अंडर-19 टीम की कप्तानी करते हुए टीम को वीनू मांकड़ ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचाया था। इस टूर्नामेंट में उन्होंने छह मैचों में 220 रन बनाए, जिसमें नाबाद 82 रन की पारी भी शामिल रही। अन्वय भारत अंडर-19 बी टीम के लिए बंगलुरु में आयोजित त्रिकोणीय श्रृंखला में भी खेल चुके हैं, जिसमें भारत ए और अफगानिस्तान अंडर-19 टीमों ने हिस्सा लिया था। इसके अलावा अच्छे प्रदर्शन के दम पर उन्हें अंडर-19 वनडे चैलेंजर ट्रॉफी की टीम-सी में भी जगह मिली थी।

न्यूज ब्रीफ

आसमान से बरसी मौत, मक्का काट रहे पिता-पुत्र समेत 5 लोगों की मौत, 6 गंभीर

खगड़िया : बिहार के खगड़िया जिले में कुदरत का ऐसा कहर टूटा कि पल भर में ही कई परिवारों की खुशियां मातम में बदल गईं। जिले के अलग-अलग इलाकों में अचानक गिरी आसमानी बिजली (वज्रपात) ने भारी तबाही मचाई है। इस दर्दनाक प्राकृतिक हादसे में खेत में काम कर रहे पिता-पुत्र समेत कुल 5 लोगों की झुलसकर मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 6 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इस खौफनाक घटना के बाद पूरे इलाके में मातमी सन्नाटा पसर गया है और मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मक्का काटते समय गिरी बिजली, पिता-पुत्र ने तोड़ा दमः पहली हृदयविदारक घटना पौरा सहायक थाना क्षेत्र के बलतारा पंचायत स्थित कन्हौली गांव में घटी। जानकारी के अनुसार, यहां खेतों में मक्के की फसल की कटाई चल रही थी। खेत में करीब एक दर्जन लोग काम कर रहे थे, तभी अचानक मौसम का मिजाज बिगड़ा और तेज बारिश के साथ भयानक बिजली कड़कने लगी। जब तक लोग खुद को बचाकर किसी सुरक्षित स्थान पर पहुंच पाते, आसमान से जोरदार बिजली आ गिरी। इस खौफनाक वज्रपात की चपेट में आने से आशुतोष यादव, उनके पुत्र और एक अन्य ग्रामीण की बुरी तरह झुलसने से घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे में दो अन्य लोग भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

बिजली गिरने का दूसरा कहर बेलदौर थाना क्षेत्र में देखने को मिला, जहां कुल दो लोगों की जान चली गई। यहां इतमादी सरस्वती नगर (वार्ड नंबर 7) स्थित लबघड़िया गांव में एक ही परिवार के पांच सदस्य इस आसमानी आफत का शिकार हो गए। वज्रपात की वजह से 35 वर्षीय जवाहर शर्मा की मौके पर ही जान चली गई, जबकि परिवार के चार अन्य सदस्य बुरी तरह से झुलस गए। इनमें एक महिला की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। वहीं, बेलदौर थाना क्षेत्र की ही बलैठा पंचायत के नागपुर गांव में भी वज्रपात की चपेट में आने से एक युवक को अपनी जान गंवानी पड़ी।

अस्पताल में चल रहा घायलों का इलाज, प्रशासन ने दिया मदद का भरोसाः जिले में सुबह से ही हो रही झमाझम बारिश के बीच घटी इन घटनाओं ने पूरे प्रशासन को भी सकते में डाल दिया है। प्रशासनिक टीम ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई इन घटनाओं में कुल पांच लोगों ने अपनी जान गंवाई है। घटना के तुरंत बाद सभी 6 घायलों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उनकी जान बचाने में जुटी है। वहीं, स्थानीय प्रशासन ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना देते हुए सरकार की तरफ से हर संभव उचित मदद दिलाने का पूरा भरोसा दिया है।

ट्रंप का एक सिग्नल और रॉकेट बना शेयर बाजार, सेंसेक्स 1000 अंक उछला

मुंबई : पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीदों से उपजे सकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार बड़ी तेजी के साथ हरे निशान में खुला। इस दौरान घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्क निफ्टी50 और सेंसेक्स में 1 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद 73,832.55 से 876.72 अंक उछलकर 74,709.27 पर खुला, तो वहीं निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 23,161.60 से 250.95 अंक उछलकर 23,412.55 पर खुला। खबर लिखे जाने तक (सुबह करीब 9:18 बजे) सेंसेक्स 1000 अंकों यानी 1.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,799.89 पर ट्रेड कर रहा था, तो वहीं निफ्टी50 275.85 अंक या 1.19 प्रतिशत बढ़कर 23,437.45 पर पहुंच गया। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 1.38 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप में 1.61 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी में सबसे ज्यादा 2 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इसके साथ ही, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 1.37 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो में 1.30 प्रतिशत, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.23 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया में 1.15 प्रतिशत, निफ्टी पीएसयू बैंक में 1.14 प्रतिशत और निफ्टी प्राइवेट बैंक में 1.13 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। निफ्टी50 इंडेक्स में इंडिगो, इटरनल, लार्सन एंड टुब्रो, श्रीराम फाइनेंस और बजाज फाइनेंस के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली, जबकि ओएनजीसी, टेक महिंद्रा, हिंडाल्को, डॉ. रेड्डी, बजाज-ऑटो और कोल इंडिया के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वाशिंगटन ने ईरान के साथ एक बड़ा समझौता कर लिया है और अब सिर्फ दस्तावेज को अंतिम रूप देना बाकी है।

महिलाओं को होममेकर नहीं, राष्ट्र निर्माता कहें

- महिलाएं परिवार की नींव करती हैं मजबूतः सुप्रीम कोर्ट
- महिला के काम की कीमत हर महीने 30 हजार रुपए जितनी
- एक्सिडेंट पर मुआवजा तय करते हुए यही होगा आधार

नई दिल्लीः देशभर में सड़क हादसों में जान गंवाने वाली गृहिणियों के परिवारों को मिलने वाले मुआवजे को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि घर संभालने वाली महिलाओं को राष्ट्र निर्माता (नेशन बिल्डर) का दर्जा मिलना चाहिए। उनके काम की तुलना किसी पेशेवर से करके उनके योगदान को कम नहीं आंका जा सकता। जस्टिस संजय करोल और न्यायाधीश एन कोटिस्वर सिंह की बैंच ने कहा कि किसी हादसे में गृहिणियों की मौत होने पर, उनके द्वारा की जाने वाली परिवार की देखभाल और घरेलू काम की कीमत कम से कम 30 हजार रुपए प्रति महीना (3.6 लाख रुपए सालाना) मानी जाएगी। यह रकम प्रणय सेठी मामले में तय अन्य सभी मुआवजा नियमों के अलावा होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक गृहिणी का काम केवल खाना बनाना, बच्चों की देखभाल और घर संभालना नहीं है। वह परिवार की नींव को मजबूत बनाती है, अगली पीढ़ी तैयार करती है। जब किसी दुर्घटना के कारण गृहिणी की मौत हो जाती है, तब उसका मुआवजा तय करते उसके योगदान का आकलन जरूरी है।

यदि किसी सड़क दुर्घटना में गृहिणी घायल हो जाती है या उसकी मौत हो जाती है, तो परिवार को केवल उसकी आय न होने के आधार पर कम मुआवजा नहीं दिया जा सकता। मुआवजा न तो किसी के लिए अचानक छप्परफाड़ लॉटरी जैसा होना चाहिए और न ही इतनी कम रकम होनी चाहिए कि पीड़ित का मजाक बने। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सडक दुर्घटना के दावों का निपटारा आमतौर पर एक साल के भीतर हो जाना चाहिए। अगर पीड़ितों को दशकों तक इंतजार करना पड़े, तो कानून का मकसद ही खत्म हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने देश के सभी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों से अपील की है कि वे खुद ऐसे मामलों की निगरानी करें और निर्देश जारी कर तय समय में मामलों का निपटारा सुनिश्चित कराएं।

महिलाओं को हादसे पर अब ज्यादा मुआवजाः सड़क हादसों के मामलों में अब तक देश की अदालतें और एक्सीडेंट ट्रिब्यूनल किसी हादसे में जान गंवाने वाली गृहिणियों का मुआवजा तय करने के लिए एक काल्पनिक आय मानती थीं। इसके लिए राज्य के न्यूनतम वेतन को आधार बनाया जाता था, जो कि बहुत कम होता था। अब किसी हादसे में गृहिणियों की मौत होने पर मुआवजा तय करते समय उनका मासिक वेतन 30 हजार रुपए प्रति महीना (3.6 लाख रुपए सालाना) माना जाएगा।

नादौन में पलटा सीमेंट से लदा ट्रक, सड़क के दोनों ओर लगा लंबा जाम

हमीरपुरः नादौन-नौहगी मार्ग पर नौहगी गांव के समीप सीमेंट से भरा एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त होकर सड़क पर पलट गया, जिससे मार्ग पर लंबा जाम लग गया और यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई। हादसे के बाद सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निर्मल सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और यातायात को सुचारु बनाने के लिए मोर्चा संभाल लिया।

पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए कई बड़े वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से उनके गंतव्य की ओर रवाना किया, जिससे जाम की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सका। सीमेंट से लदा ट्रक हमीरपुर की ओर से नारायणगढ़ की तरफ जा रहा था। इसी दौरान नौहगी गांव के पास ट्रक के दोनों टायर अचानक फट जाने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया और ट्रक सड़क पर पलट गया। गनीमत

बातचीत से सुलझाएंगे सीमा विवाद, भारत को लेकर नेपाल के सुर बदले, मध्यस्थता की बात ठुकराई

एजेंसी/ काठमांडूः भारत के साथ सीमा विवाद पर ऊलजलूल बयान देने के बाद अब नेपाल की अक्ल ठिकाने आ गई है। पिछले महीने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने यह कह कर विवाद खड़ा कर दिया था कि भारत के साथ सीमा विवादों को सुलझाने के लिए वह चीन और ब्रिटेन के पास जाएंगे। इसके बाद भारत ने नेपाल को अच्छे से समझा दिया था कि इस मामले में किसी भी तीसरे देश का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अब नेपाल ने भी इस पर सहमति जताई है। नेपाल की सरकार ने भारत के साथ सीमा विवाद में किसी भी तीसरे देश की मध्यस्थता की बात को खारिज कर दिया है।

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा है कि सरकार भारत के साथ सीमा विवादों को आपसी बातचीत से सुलझाना चाहती है। नेपाल के विदेश मंत्री ने संसद में कहा है कि भारत-नेपाल सीमा विवाद पूरी तरह से एक द्विपक्षीय मामला है और इसमें किसी भी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं है। नेपाली संसद को संबोधित करते हुए शिशिर खनाल ने प्रधानमंत्री बालेन शाह के बयान से उपजे विवाद को शांत करने की कोशिश की। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि मैं इस सदन में यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि नेपाल-भारत सीमा एक द्विपक्षीय मुद्दा है। नेपाल हमेशा से इस समस्या को दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक समझौतों के आधार पर बातचीत के जरिए सुलझाना चाहता है। नेपाल ऐतिहासिक संधियों, समझौतों और नक्शों के आधार पर कूटनीतिक बातचीत और चर्चा के जरिए इस समस्या को सुलझाने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहा है।

ममता बनर्जी को एक और झटका

सिर्फ 2 महीने में ही कोयल मल्लिक ने छोड़ी राज्यसभा की कुर्सी, अब सिर्फ 9 सांसद बचे

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। तीन राज्यसभा सांसदों के जाने के झटके से ममता बनर्जी अभी उबर भी नहीं पाई थीं कि अब उन्हें चौथा और बड़ा झटका लगा है। मशहूर बंगाली अभिनेत्री और राज्यसभा सांसद कोयल मल्लिक ने उच्च सदन की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उनसे पहले सुखेंदु शेखर रे, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बराइक भी इस्तीफा दे चुके हैं। कोयल मल्लिक राज्यसभा की चौथी सांसद बन गई हैं, जिन्होंने अचानक अपना पद छोड़ दिया है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उन्होंने टीएमसी की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दिया है या नहीं।

विधानसभा चुनाव में हार के बाद से लगातार दरक रहा किलाः पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद से ही ममता बनर्जी को लगातार एक के बाद एक झटके लग रहे हैं। सबसे पहले तीन दर्जन से अधिक विधायकों ने टीएमसी का साथ छोड़कर ममता को राजनीतिक हाशिए पर धकेल दिया था। इसके बाद काकोली घोष दास्तीदार के नेतृत्व में एक दर्जन लोकसभा सांसदों ने भी पार्टी छोड़ने का ऐलान कर दिया। एक समय 13 राज्यसभा सांसदों के दम पर केंद्र सरकार को चुनौती देने वाली ममता बनर्जी के लिए अब राज्यसभा में भी संकट गहरा गया है। उच्च सदन में इस बगावत की शुरूआत 8 जून को सुखेंदु शेखर रे के इस्तीफे के साथ हुई थी और अब नौबत यह आ गई है कि चार सांसद अपना पद छोड़ चुके हैं। महज 2 महीने पहले ही बड़े अरमानों से ली थी शपथः ममता बनर्जी अक्सर मशहूर चेहरों को राजनीति में लाने के लिए जानी जाती हैं। इसी रणनीति के तहत उन्होंने बंगाली अभिनेत्री कोयल मल्लिक को इसी साल अप्रैल में राज्यसभा भेजा था। महज दो महीने पहले सांसद पद की शपथ लेने के बाद कोयल मल्लिक बेहद उत्साहित नजर आ रही थीं। उस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा था कि यह फैसला उन्होंने बहुत सोच-समझकर लिया है और उनके लिए देश तथा लोगों की सेवा से बढ़कर कुछ नहीं है। इतनी बड़ी जिम्मेदारी और देश सेवा की बात कहने वाली कोयल मल्लिक के अचानक इस्तीफे ने अब कई बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

ममता बनर्जी को हाईकोर्ट से बड़ा झटका

बागी नेता बने रहेंगे नेता प्रतिपक्ष,टीएमसी की याचिका पर स्टे देने से इनकार

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की राजनीति से इस वक्त की एक बहुत बड़ी खबर सामने आ रही है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) की कुर्सी को लेकर छिड़े सियासी घमासान के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को कलकत्ता हाईकोर्ट से बहुत बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने विधानसभा स्पीकर के फैसले को चुनौती देने वाली टीएमसी की याचिका पर तत्काल राहत देने से साफ इनकार कर दिया है। अदालत ने नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति पर फिलहाल कोई भी स्टे (रोक) लगाने से मना कर दिया है, जिसका सीधा मतलब यह है कि बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी ही फिलहाल इस महत्वपूर्ण पद पर बने रहेंगे।

पलट चुकी है बंगाल की सियासी बाजीः आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल के राजनीतिक समीकरण अब पूरी तरह बदल चुके हैं और सूबे में इस समय भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सरकार है, जबकि टीएमसी सत्ता से बाहर हो चुकी है। लोकतांत्रिक व्यवस्था के नियम के अनुसार, जो पार्टी सत्ता में होती है उसका मुखिया

मुख्यमंत्री बनता है और मुख्य विपक्षी दल के मुखिया को नेता प्रतिपक्ष का दर्जा मिलता है। बंगाल में इसी रसूखदार पद को लेकर अब एक नया कानूनी और राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। विधानसभा के स्पीकर रथिंद्रनाथ बोस ने एक बड़ा और अप्रत्याशित फैसला लेते हुए ऋतब्रत बनर्जी को नया नेता प्रतिपक्ष मान लिया और उन्हें इस पद की आधिकारिक मान्यता भी दे दी, जबकि इससे पहले तक यह जिम्मेदारी सोवनदेब चट्टोपाध्याय संभाल रहे थे।

अपनी ही पार्टी के खिलाफ बगावत कर बने एलओपीः अब राजनीतिक गलियारों में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर ऋतब्रत बनर्जी कौन हैं और उन्हें लेकर इतना बड़ा विवाद क्यों खड़ा हुआ है। दरअसल, ऋतब्रत बनर्जी टीएमसी के ही कद्दावर नेता हैं, लेकिन हालिया चुनाव में पार्टी को मिली करारी शिकस्त के बाद उन्होंने अपनी ही आलाकमान और पार्टी के खिलाफ खुलेआम बगावत का बिगुल फूंक दिया था। उनके इसी बागी रुख के बीच स्पीकर द्वारा उन्हें विपक्ष का नेता चुन लिया गया, जिसने टीएमसी की रातों की नींद उड़ा दी है।

स्पीकर के फैसले पर भड़की टीएमसीः स्पीकर के इस फैसले से पूरी तृणमूल कांग्रेस बेहद असमंजस और गुस्से में है। पार्टी का साफ तौर पर कहना है कि नेता प्रतिपक्ष जैसी महत्वपूर्ण संवैधानिक नियुक्ति स्पीकर अपनी मर्जी या पसंद-नापसंद के आधार पर नहीं कर सकते। इसके लिए यह देखना बेहद जरूरी और अनिवार्य है कि विधानसभा में किस पार्टी के पास कितने विधायकों का संख्या बल है, कौन सा दल असली विपक्ष की भूमिका में है और जमीनी राजनीतिक हकीकत क्या है। टीएमसी ने स्पीकर पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि एक बागी नेता को विपक्ष का मुखिया बनाकर विधानसभा की पुरानी गौरवशाली परंपराओं को तार-तार किया गया है और जानबूझकर राजनीतिक संतुलन बिगाड़ने का प्रयास हुआ है।

16 जून को होगा आर-पार का फैसलाः इस पूरे विवाद को लेकर गुरुवार को कलकत्ता हाईकोर्ट में बेहद तीखी बहस और सुनवाई हुई। टीएमसी की ओर से अदालत से पुरजोर मांग की गई थी कि फौरी राहत के तौर पर स्पीकर के इस फैसले पर तुरंत रोक लगाई जाए, लेकिन माननीय अदालत ने इस मांग को सिरे से खारिज कर दिया और कोई भी स्टे ऑर्डर जारी नहीं किया। कोर्ट के इस रुख से साफ है कि फिलहाल ऋतब्रत बनर्जी की कुर्सी पूरी तरह सुरक्षित है। हालांकि, यह कानूनी लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। अदालत ने इस संवेदनशील मामले की अगली सुनवाई के लिए 16 जून की तारीख तय की है, जिस दिन दोनों पक्षों की दलीलें दोबारा सुनी जाएंगी और उसके बाद ही बंगाल की राजनीति का यह सस्पेंस खत्म हो पाएगा।

न्यूज IN ब्रीफ

ट्रांसफार्मर से बिजली आपूर्ति ठप, उपभोक्ता परेशान

मेदिनीनगर : हुसैनाबाद शहर क्षेत्र के मुहम्मदाबाद रोड स्थित हरिजन स्कूल के पास लगे ट्रांसफार्मर से बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण आसपास के मोहल्लों में विद्युत संकट गहरा गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार बुधवार की शाम ट्रांसफार्मर से जुड़े एक फेज में खराबी आने के कारण आपूर्ति बाधित हो गई थी। सूचना मिलने पर बिजली विभाग के कर्मियों ने गुरुवार की शाम मरम्मत कार्य कर आपूर्ति बहाल कर दी थी। हालांकि, बिजली आने के बावजूद क्षेत्र में लो वोल्टेज की समस्या बनी रही, जिसके कारण कई घरों में पानी की टंकियां नहीं भर सकीं और मोटर भी ठीक से संचालित नहीं हो पाई। इसके बाद बीती रात से एक बार फिर बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है। बिजली गुल रहने से लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि लगातार दो दिनों से बिजली व्यवस्था प्रभावित रहने के कारण दैनिक कार्यों पर असर पड़ रहा है। गर्मी के मौसम में बिजली नहीं रहने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। क्षेत्र के लोगों ने बिजली विभाग से ट्रांसफार्मर के पास उत्पन्न तकनीकी खराबी को अविलंब दूर कर नियमित विद्युत आपूर्ति बहाल करने की मांग की है, ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

घरेलू विवाद में विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान, जांच में जुटी पुलिस

मेदिनीनगर : सतबरवा थाना क्षेत्र के पूणाडीह गांव में घरेलू विवाद के बाद एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान छोटू भुइयां की 30 वर्षीय पत्नी मुन्नी देवी के रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार, गुरुवार देर रात मुन्नी देवी ने फांसी लगा ली, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई। परिजन उन्हें तत्काल सतबरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। हालांकि अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलने पर अस्पताल पुलिस चौकी की टीम शुक्रवार सुबह अस्पताल पहुंची और परिजनों से पूछताछ कर शव का इंक्वेस्ट किया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है तथा आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

राजपुर में सत चंडी महायज्ञ 14 से 18 जून तक

मेदिनीनगर : मां दुर्गा मंदिर प्राण प्रतिस्ठा सह सतचंडी महायज्ञ कार्यकर्म इस प्रकार हैं 14जून को कलश यात्रा तथा, 15जून से प्रवचन शुरू होकर 18जून को समापन होगा। यह जानकारी देते हुए यज्ञ कमिटी के अध्यक्ष भोलानाथ साव ने बतलाया की महंत रबिन्द्र पाण्डेय के निर्देशन में सम्पन हो रहा हैं। कमिटी के सचिव निरंजन साव समेत पूरी कमिटी के सदस्य इस यज्ञ को सफल बनाने में दिन रात एक किये हुए हैं।

रांची स्थित श्याम बाबा के मंदिर में एकादशी के दिन उमड़ी भक्तों की भीड़

निधि पाठक : रांची हरमु रोड़ पर अवस्थित खाटू श्याम मंदिर में यूँ तो प्रतिदिन भक्तजनों और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है किन्तु एकादशी के दिन बाबा के मंदिर लोगों की भीड़ देखते ही बनती है। भजन कीर्तन, विशेष पूजा अर्चना तथा आकर्षक साज सज्जा तथा प्रसाद का वितरण भी किया जाता है। भक्तजन और श्रद्धालुगण बाबा के दरबार में आकर बाबा के दर्शन और पूजा अर्चना करने के पश्चात यही नारा लगाते हैं
हारे के सहारे
बाबा खाटूश्याम हमारे

निषिद्ध मादक पदार्थों के उत्पादन व उपभोग पर कलाकारों ने चलाया जागरूकता अभियान

सिमड़ेगा/कुरडेग : सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय सिमड़ेगा में सूचीबद्ध कलादल आदिकला मंच कोलेबिरा के कलाकारों ने दल नेता बनफूल नायक के साथ, कुरडेग प्रखंड के बाघचट्टा साप्ताहिक बाजार में निषिद्ध मादक पदार्थों के उत्पादन,उपभोग एवं व्यवसाय के विरुद्ध जन जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमें बताया गया कि अफीम की खेती कभी नहीं करना,गांजा,भांग, मारिजुआना, ब्राउन शुगर,कोकीन, की विक्री न करना,नहीं सेवन करना, पकड़े जाने पर 20 वर्ष तक की सजा हो सकती है।इसके साथ ही झारखंड सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी दिया । जिसमें सड़क सुरक्षा,सावधानी ही बचाव है।वज्रपात से बचाव जिसमे वर्षा के समय एकल बड़ा वृक्ष के नीचे पानी से न बचें।सर्पदंश से बचाव हेतु जमीन में न सोएं,मच्छरदानी लगाकर सोएं अगर फिर भी सर्पदंश हो तो तुरंत अस्पताल लेकर जाएं।
इस जागरूकताकार्यक्रम में सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे और कार्यक्रम का लाभ लिया । कलाकार और ग्रामीणों ने मिलकर निषिद्ध मादक पदार्थ के विरुद्ध शपथ लिया।

रक्तदान को लेकर तैयारी अंतिम चरण में

जमशेदपुर : विश्व रक्तदाता दिवस पर, स्वैच्छिक महा रक्तदान शिविर का आयोजन बिष्टुपुर मिलानी हॉल में आयोजित करने को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में है। प्रतीक संघर्ष फाउंडेशन के अरिजीत सरकार ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा रक्तदान के लिए लोगों से संपर्क कर लिया गया है। जमशेदपुर में तप्ती गर्मी में रक्त की कमी को देखते हुए, प्रेस क्लब ऑफ जमशेदपुर, मिलानी, प्रतीक संघर्ष फाउंडेशन संयुक्त रुप से पहल करते हुए, एक स्वैच्छिक महा रक्तदान शिविर का आयोजन किया है ताकि इस भीषन तपती गर्मी में रक्त की कमी को थोड़ा कम किया जा सके। समाजहित में पहल को देखते हुए प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक टाटा स्टील फाउंडेशन ने भी सहयोग का हाथ आगे बढाया है।

पलामू में कॉलेज के छात्र हुए उग्र

सीटों की कटौती के विरोध में कॉलेज में जड़ा ताला

संवाददाता

पलामू : कॉलेज में सीटों की कटौती के विरोध में छात्र संगठनों ने गुरुवार को जनता शिवरात्रि कॉलेज में ताला लगा दिया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एवं आजसू के छात्र नेताओं ने सीटों में कटौती के विरोध में आंदोलन की शुरूआत की। छात्र संगठन का आरोप है कि छात्रों की संख्या बढ़ रही है और कॉलेज में सीटों की संख्या कम की जा रही है।

सीट कम करने के विरोध में प्रदर्शन

दरअसल, पलामू के जनता शिवरात्रि कॉलेज में ग्रेजुएशन के कोर्स के कई विषय में सीटों की संख्या को कम करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। कई विषय में पहले से कम नामांकन लिए जाएंगे। जानकारी सामने आने के बाद एबीवीपी और आजसू के छात्र संगठन आंदोलन पर उतर आए हैं और पहले चरण में कॉलेज

में ताला लगा दिया है। विभिन्न छात्र संगठनों के साथ प्रिंसिपल की बैठक आजसू छात्र नेता राणा हिमांशु सिंह ने बताया कि आंदोलन जारी है, सीटों की संख्या कम करने का प्रस्ताव है, बातचीत जारी है, सीटों की संख्या नहीं बढ़ाई गई तो आंदोलन जारी रहेगा। जनता शिवरात्रि कॉलेज में गुरुवार को विभिन्न छात्र संगठनों के साथ प्रिंसिपल ने बैठक की है और 15 जून तक समय मांगा है। ऑल पलामू स्टूडेंट यूनियन और एनएसयूआई ने भी आंदोलन शुरू किया है। दरअसल, 2023-27 के बैच में जनता शिवरात्रि कॉलेज में पॉलिटिकल साइंस में 380 जबकि इतिहास में 306 में छात्रों का एडमिशन हुआ था। 2025-29 में पॉलिटिकल साइंस में 466 और इतिहास में 572 छात्रों का नामांकन हुआ था। दोनों विषय में पॉलिटिकल साइंस में 40 तथा इतिहास में मात्र 120 सीट पर ही नामांकन का प्रस्ताव है। इसी तरह कई दूसरे विषय में भी नामांकन को लेकर सीटों की संख्या को लेकर विवाद है।

ट्रेन से गिरकर वृद्ध महिला की मौत, छतरपुर की लक्ष्मी देवी के रूप में हुई पहचान

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के शांतिपुरी इलाके में शुक्रवार सुबह ट्रेन से गिरकर एक वृद्ध महिला की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही टीओपी-3 प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

प्रारंभ में मृतका की पहचान नहीं हो सकी थी, लेकिन बाद में पुलिस ने उसकी पहचान छतरपुर थाना क्षेत्र के खाटीन गांव निवासी 65 वर्षीय लक्ष्मी देवी के रूप में की। पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। मृतका किन परिस्थितियों में ट्रेन से गिरी, इसका पता लगाने के लिए पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद परिजनों में

शोक का माहौल है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

लोहरदगा के विद्यालयों में विशेष आधार नामांकन एवं बायोमेट्रिक अपडेट अभियान शुरू

विद्यालय प्रबंधन, अभिभावक एवं संबंधित विभाग इस अभियान को प्राथमिकता के आधार पर सफल बनाने में सहयोग करें

संवाददाता

लोहरदगा : उपायुक्त संदीप कुमार मीना के निर्देश पर जिले के सभी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों का शत-प्रतिशत आधार कवरेज सुनिश्चित करने के लिए विशेष आधार नामांकन एवं अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) अभियान प्रारंभ किया गया है। अभियान के तहत ऐसे विद्यार्थियों का आधार नामांकन किया जाएगा जिनका आधार कार्ड अब तक नहीं बना है। साथ ही 5 वर्ष एवं 15 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके बच्चों के आधार का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट भी किया जाएगा।

जिला प्रशासन द्वारा अभियान के सफल संचालन के लिए विद्यालयों में विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जहां विद्यार्थियों को आधार नामांकन और बायोमेट्रिक अपडेट की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके माध्यम से विद्यार्थियों के आधार संबंधी लंबित कार्यों का निःशुल्क निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि आधार से संबंधित अद्यतन जानकारी विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं छात्र हित से जुड़ी सेवाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक है। इसलिए सभी विद्यालय प्रबंधन, अभिभावक एवं संबंधित विभाग इस अभियान को प्राथमिकता के आधार पर सफल बनाने में सहयोग करें।

जिला प्रशासन ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों का आधार सत्यापन एवं आवश्यक बायोमेट्रिक अपडेट समय रहते अवश्य करा लें, ताकि भविष्य में किसी भी पात्र विद्यार्थी को सरकारी योजनाओं और सुविधाओं के लाभ से वंचित न होना पड़े। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित अवधि के बाद नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी।

जिले में इस अभियान को उच्च प्राथमिकता के साथ संचालित किया जा रहा है तथा संबंधित अधिकारियों को इसकी नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए हैं।

प्रेमिका ने जब शादी का बनाया दबाव, तो प्रेमी ने किया हत्या, चार महीने बाद खुला राज

संवाददाता

दुमका : मसानजोर डैम में इस वर्ष होली के दिन (4 मार्च की सुबह) 19 वर्षीय रीना कुमारी का शव बरामद किया गया था। स्थानीय पुलिस ने तुरंत मामले की जांच शुरू की और इसे हत्याकांड मानते हुए छानबीन में जुट गई।

पुलिस ने बुधवार को इस हत्याकांड की गुत्थी सुलझा ली। मृतका के प्रेमी केतन कुमार मंडल को देवघर जिले के सारठ थाना क्षेत्र के जमुआसोल से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

हत्या का कारण

पुलिस के अनुसार, दोनों के बीच एक साल से प्रेम संबंध चल रहा था। रीना शादी का दबाव बना रही थी, जिसे केतन सहन नहीं कर सका। शादी से इनकार करने के बाद उसने रीना को रास्ते से हटाने की योजना बना ली।

घटना का क्रम

दुमका के मसानजोर थाना क्षेत्र के रहने वाली रीना कुमारी और केतन कुमार मंडल दोनों स्थानीय एसपी कॉलेज में पढ़ते थे। दोस्ती धीरे-धीरे प्रेम में बदल गई। 28 मार्च को केतन रीना को घुमाने के बहाने मयूराक्षी नदी के किनारे ले गया। वहां उसने रीना को एक बड़े पत्थर पर बैठने को कहा ताकि तस्वीर अच्छी आए। जब रीना पत्थर पर बैठी, तो केतन ने पीछे से धक्का दे दिया। इससे वह नदी में गिर गई और उसकी मौत हो गई।

तकनीकी साक्ष्य और छानबीन

शव बरामद होने के बाद रीना के परिजनों ने बताया कि वह लगातार केतन नाम के लड़के से बातें करती थी। पुलिस ने मोबाइल नंबर के आधार पर केतन के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया। आरोपी लगातार पुलिस को चकमा दे रहा था। दुमका पुलिस की टीम ने मोबाइल लोकेशन, अन्य तकनीकी साक्ष्यों और सूचना के आधार पर केतन को ट्रैक किया।

गिरफ्तारी

गिरफ्तारी के समय उसके पास से रीना कुमारी की बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड और आधार कार्ड बरामद किए गए।

एसपी का बयान

दुमका के एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने पूरी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तकनीकी मदद और निरंतर निगरानी से आरोपी को पकड़ा जा सका। मामले की जांच जारी है।

22 जून को ग्राम बरसलोया में आध्यात्मिक उत्सव

कोलेबिरा : प्रखंड के ग्राम बरसलोया में श्री जगन्नाथ मंदिर के मुख्य पुजारी दिलीप पंडा के नए आवास में 21 एवं 22 जून को गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक विधि-विधान के साथ गृह प्रवेश संपन्न होगा तथा महाप्रभु श्री जगन्नाथ स्वामी, उनके बड़े भाई बलभद्र, बहन सुभद्रा, गौर-निताई सहित सभी देवी-देवताओं को नए आवास में स्थापित कर विधिवत विराजमान कराया जाएगा।

मुख्य पुजारी दिलीप पंडा ने बताया कि वर्तमान में भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा, गौर-निताई एवं अन्य देवी-देवताओं की नियमित पूजा-अर्चना उनके पुराने आवास में की जाती है। गृह प्रवेश के उपरांत सभी देवी-देवताओं का मंगल प्रवेश कराया जाएगा और नए आवास में निर्मित विशेष सिंहासन पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उनकी स्थापना कर उन्हें विधिवत विराजमान किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत 21 जून को कलश स्थापना की जाएगी। वहीं 22 जून को हवन, गृह प्रवेश, भगवानों का मंगल प्रवेश, नए आवास में देवी-देवताओं की विराजमान करने की प्रक्रिया संपन्न होगी। इसके उपरांत भव्य महाआरती का आयोजन किया जाएगा। वहीं 22 जून की रात्रि में महिला कीर्तन मंडली बरसलोया द्वारा कीर्तन-भजन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु भगवान के नाम-संकीर्तन में शामिल होकर भक्ति रस का आनंद लेंगे। नए आवास में देवी-देवताओं के विराजमान होने हेतु विशेष एवं भव्य सिंहासन का निर्माण कराया गया है, जहां महाप्रभु एवं अन्य देवी-देवताओं की विधिवत स्थापना कर विराजमान की जाएगी। इसके साथ ही पूरे आवास एवं पूजा स्थल को रंग-बिरंगे फूलों, आकर्षक पुष्प सज्जा एवं पारंपरिक सजावट से भव्य रूप प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर परिसर को धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर करने की व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।यह आयोजन धार्मिक आस्था, भक्ति एवं सनातन परंपरा का विशेष अवसर माना जा रहा है। गृह प्रवेश, भगवानों की स्थापना एवं कीर्तन-भजन कार्यक्रम में ग्राम बरसलोया सहित आसपास के गांवों और विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ निरंजन दे की धर्मपत्नी मीनू दे का निधन, आज शाम 4 बजे होगा अंतिम संस्कार

चक्रधरपुर के प्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ। निरंजन दे की धर्मपत्नी श्रीमती मीनू दे (72 वर्ष) का शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे निधन हो गया। वे पिछले करीब छह माह से अस्वस्थ चल रही थीं। उनके निधन की खबर मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ गई। स्वर्गीय मीनू दे का अंतिम संस्कार शुक्रवार शाम 4 बजे कुदलीबाड़ी (लाल घर) श्मशान घाट में किया जाएगा। शव यात्रा उनके निवास स्थान झुमका मोहल्ला, वार्ड संख्या 10, रेलवे पार्क के समीप से निकलेगी। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनके पुत्रों में होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ। आशिष दे, रेलकर्मी आशिम दे, एलआईसी कर्मी जयदेव दे, एस्पायर कर्मी टिंकू दे तथा होम्योपैथिक डॉ। सरजीत दे शामिल हैं। मीनू दे के निधन से न केवल परिवार बल्कि पूरे समाज में शोक का माहौल है। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग उनके आवास पहुंचकर शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देते नजर आए। स्थानीय लोगों ने उन्हें मिलनसार एवं धार्मिक प्रवृत्ति की महिला बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

धनबाद में नवविवाहिता की संदिग्ध मौत, मायके पक्ष के लोगों ने लगाया हत्या का आरोप

धनबाद : जिले के गोविंदपुर थाना क्षेत्र में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी। नवविवाहिता के मायके पक्ष के लोगों ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाया है। घटना मटियाला पंचायत के मचामहुल गांव की है, जहां काशी गोप की 21 साल की पत्नी फुलटुसी देवी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत पर बवाल

घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन और गोविंदपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए जमकर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं

अस्पताल भेज दिया गया है।

ससुराल पक्ष पर और दहेज मांगने का आरोप

मृतक के चचेरे भाई अनिल महतो ने बताया कि फुलटुसी की शादी करीब एक साल पहले काशी गोप के साथ हुई थी। उनका आरोप है कि शादी के समय 5 लाख रुपये दहेज के रूप में दिए गए थे लेकिन बावजूद इसके ससुराल पक्ष अतिरिक्त दहेज की मांग कर रहा था और मांग पूरी नहीं होने पर फुलटुसी की हत्या तक कर दी गई।

पुलिस ने दिया कार्रवाई का आश्वासन

इधर, गोविंदपुर थाना पुलिस का कहना है कि मायके वालों ने हत्या की आशंका जताते हुए शिकायत की है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारण साफ हो पाएंगे। रिपोर्ट और जांच के आधार पर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।